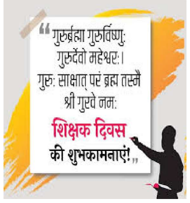

दैनिक

भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 44 गुरूवार 5 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

यूपी में शिक्षक संघर्ष के रास्ते पर

लखनऊ (आभा)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की डबल बेंच के आदेश का अनुपालन कराने के लिए लगातार आंदोलन कर रहे 69000 शिक्षक भर्ती के आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने बुधवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का आवास घेरा। सुबह लगभग 11 बजे बड़ी संख्या में पहुंचे अभ्यर्थी यहां धरने पर बैठ गए और नियुक्ति दिए जाने की मांग की। वहीं दोपहर में हुई भारी बरसात के बीच भी वे डटे रहे और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात के बाद ही लौटे।

अभ्यर्थियों का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने कहा कि हम ओबीसी

और एससी वर्ग के नेताओं व मंत्रियों के आवास का घेराव इसलिए भी कर रहे हैं कि वे मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात कर इस मामले का समाधान कराएं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने धरना दे रहे अभ्यर्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल को बुलाकर बात की। अभ्यर्थियों का ज्ञापन लेते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकरण में जल्द ही वह मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात करेंगे। साथ ही अभ्यर्थियों की भी मुलाकात कराएंगे। प्रतिनिधिमंडल में अमरेन्द्र पटेल, वीरेन्द्र, विजय, अर्चना, विक्रम शामिल थे।पांच सितंबर से प्रदेशभर के 1.42 लाख शिक्षामित्र भी लखनऊ में डेरा डालेंगे। मानदेय बढ़ाने व नियमितीकरण के लिए उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार शुक्ला ने बताया कि ईको गार्डन में सुबह 10 बजे से तब तक अभ्यर्थी धरने पर रहेंगे, जब तक उनकी मांग नहीं सुनी जाती। वहीं दूसरी तरफ आदर्श समायोजित शिक्षक–शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से बेसिक शिक्षा निदेशालय में धरना दिया जाएगा।

एक नजर

गोटवा में डीएच.पी. की परीक्षायें शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड आयुष पैरा मेडिकल कालेज गोटवा में होम्योपैथिक फार्मासिस्ट (डीएच.पी.) की परीक्षायें कड़ी सुरक्षा में करायी जा रही हैं।

प्रबन्धक डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि प्राचार्य एवं केन्द्र व्यवस्थापक गुलाब चन्द वर्मा की देख रेख में दो पालियो में परीक्षायें 6 सितम्बर तक चलेंगी।

पर्यवेक्षक डा. राजीव कुमार कौशल और मुख्य राजस्व अधिकारी ने परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करने के साथ आवश्यक निर्देश दिये।

एक शिक्षक राजेन्द्र उपाध्याय जैसा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद के हरैया तहसील के साकिन सेण्ठा गाँव के रहने वाले राजेंद्र उपाध्याय पूरे जिले मे निःशुल्क नवाचारी शिक्षक के रूप मे जाने जाते है।

नवाचारी शिक्षक राजेंद्र अपना तथा परिजनों का पोषण कृषि व्यवसाय द्वारा करते है। राजेंद्र उपाध्याय की माने तो वे प्रतिदिन सुबह मे दैनिक क्रिया के उपरांत अपने पुरखों की विरासत खेत मे दोपहर तक कार्य करते है वे मुख्य रूप से गन्ना, धान, गेहूँ, सरसों की खेती के अलावा पशुपालन मे भी रुचि रखते है। श्री उपाध्याय कृषि विज्ञान और हिन्दी विषय में परास्नातक है। विलक्षण प्रतिभा के धनी श्री उपाध्याय कृषि कार्य निबटाने के बाद दोपहर वाद जनपद के किसी इंटर कॉलेज, महाविद्यालय या कोचिंग सेंटरों पर पहुँच कर वहाँ मौजूद रहने वाले छात्रों को वनस्पति विज्ञान, कृषि विज्ञान और हिंदी विषयों पर व्याख्यानमाला चलाते है। श्री उपाध्याय बस्ती, अयोध्या, गोरखपुर के करीब 5 दर्जन से अधिक शैक्षिक संस्थानों मे निःशुल्क शिक्षण कार्य कर चुके है। श्री उपाध्याय की पाठशाला से कई छात्र आज राज्य व केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों मे अपनी सेवाएं दे रहे है। श्री उपाध्याय राष्ट्र निर्माण के लिए निःशुल्क शिक्षण कार्य का मुहिम चला रहे हैं।

दुर्घटना में घायल वृद्ध की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के बस्ती महुली मार्ग के हटवा गांव के पास अज्ञात बाइक सवार ने रोड पार कर रहे बुर्जुग को टक्कर मार दिया था। इलाज के दौरान मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लालगंज थाना क्षेत्र के हटवा गांव निवासी पारसनाथ उम्र 78 वर्ष पुत्र स्वर्गीय जय श्री 23 अगस्त दिन शुक्रवार के सायं को अपने घर के सामने रोड पार करते समय अज्ञात बाईक सवार ने मारी थी ठोकर जिससे उनको काफी छोटे आई थी। परिवार वाले एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल बस्ती ले गए।

जहां पर चिकित्सक ने मरीज की हालत नाजुक देखते हुए। मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया था। वहां पर भी मरीज के इलाज में कोई सुधार न होने के कारण चिकित्सक ने ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। जहां पर कई दिनो तक इलाज हुआ फिर भी इलाज में कोई सुधार नहीं हुआ।

इलाज के दौरान लखनऊ मे 4 सितम्बर दिन बुधवार सुबह पांच बजे पारसनाथ की मौत हो गई। मौत की सूचना घर पर मिलते ही पुरे घर में कोहराम मच गया।

उपाध्यक्ष बने रविन्द्र पाल सिंह 'जल्लू': बैठक में व्यापारी समस्याओं के निस्तारण पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल की बैठक गांधीनगर स्थित एक कॉन्फ्रेंस हॉल में जिलाध्यक्ष आनन्द राजपाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में व्यापारी समस्याओं के समाधान पर विस्तार से चर्चा, संगठन की मजबूती आदि विन्दुओं पर विचार विमर्श किया गया। इसी क्रम में सरदार रविन्द्र पाल सिंह 'जल्लू' को जनपद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष का पुनः दायित्व सौंपा गया।

बैठक में जिलाध्यक्ष आनन्द राजपाल ने कहा कि व्यापारियों का उत्पीड़न रोकने, सुरक्षा उपलब्ध कराये जाने, बस्ती शहर को सुन्दर बनाने में सामूहिक प्रयास के साथ ही कूडा निस्तारण आदि में योगदान के लिये व्यापारी वर्ग से सहयोग मांगा जायेगा। कहा कि सुल्तानपुर में स्वर्ण व्यापारी के साथ लूट की घटना चिन्ताजनक है। मांग किया कि प्रकरण का खुलासा कर दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के साथ व्यापारियों को सुरक्षा दी जाय।

बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के जिला महामंत्री सूर्य कुमार शुक्ल ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिये नये सिरे से प्रयास के साथ ही सदस्यता अभियान तेज किये जायेंगे। व्यापार मण्डल की नगर कमेटी का अति शीघ्र चुनाव कराया जायेगा। बैठक में डब्बू श्रीवास्तव, सुनील गुप्ता, अदालत प्रसाद, सतीश सोनकर, शेषनारायण गुप्ता, लाल जी सिंह, प्रभात सोनी उपस्थित रहे।

डीएम ने किया बहादुरपुर विकास खण्ड के विकास कार्यों का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने बहादुरपुर ब्लॉक में मनरेगा एवं अन्य कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में उन्होंने पाया कि ग्राम हथिया 2 में सी सी रोड – पिच रोड से श्री कुम्हार तक – रोड की प्रथम दृष्टया फिनिशिंग ठीक मिली। यद्यपि रोड के अन्त पर कुछ टूट फूट हो गयी थी, जिसके विषय मे निर्देशित किया गया कि इसे समय से ठीक करा लिया जाए, अन्यथा यह क्रैक आगे बढ़ कर सड़क को क्षति पहुंचा सकते हैं। दो अलग अलग स्थानों पर चौड़ाई का माप करवाया गया। दर्ज माप एवं ज्ञात माप एक समान – 3 मीटर पाए गए।

ग्राम गौशाला के निरीक्षण में पाया कि गौशाला में मुख्य भाग, खुला स्थान, चरी बोआई स्थान एवं तालाब सम्मिलित है। मुख्य भाग कंक्रीट की दीवार से घिरा है, एवं शेष भाग पिलर एवं जाल से। पृथक भागों में विभाजन से क्षेत्रफल का सदुपयोग हो पा रहा था। पर मुख्य परिसर को तालाब से जोडने वाले मार्ग में मिट्टी धसाव के कारण गेट टूट गया था, एवं मुख्य परिसर से बाहर की बाउंडरी भी कई जगह से टूट गयी थी। अवगत कराया गया कि नई मिट्टी पटाई के कारण भारी वर्षा में यह क्षति हुई है जिसे वर्षा उपरांत ठीक किया जाएगा। गोशाला में रखे गए 38 गोवंश स्वस्थ थे। निर्देश दिए गए कि टूट फूट की मरम्मत अक्टूबर तक करवा ली जाए। चूंकि इस गोशाला में स्थल को पृथक्कीकृत कर के भूमि के उम्दा उपयोग का नवाचार किया गया है, अतः इसे उदाहरण के रूप में प्रदर्शित किया जा सकता है। पर स्थल को सौन्दर्यीकृत करने की आवश्यकता है, क्योंकि वर्तमान में यह वृक्षाच्छादित नहीं है। वर्षा रहते वृक्षारोपण उचित एवं जल्दी बढ़ने वाली प्रजाति से करवाने के निर्देश हुए।

उन्होंने पाया कि रंगीलाल के घर के पास इंटरलॉकिंग कार्य – कार्य गतिमान था, एवं टाइल्स लगाने के उपरांत फिनिशिंग का कार्य चल रहा था। मस्टर रोल से यादृच्छिक आधार पर श्रमिकों का सत्यापन किया गया, जो कि ठीक पाया गया।

कमिश्नर, डीएम को ज्ञापन सौंपकर शिक्षकों ने किया गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर कार्यवाही की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का एक प्रतिनिधि मण्डल जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह के नेतृत्व में मंडलायुक्त अखिलेश कुमार सिंह और जिलाधिकारी रवीश गुप्ता से मिलकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से जनपद में चल रहे गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को बंद कराने तथा उनके संचालकों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करने की मांग किया। मंडलायुक्त अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों के संबंध में शासनादेश के अनुसार सभी तहसीलों के एसडीएम को विधिक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया जाएगा। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने कहा कि इस मामले में हम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बात से करके एक कमेटी बनवाएंगे। कमेटी के

–सभी एसडीएम को विधिक कार्यवाही के लिए निर्देश देंगे–कमिश्नर
–कमेटी बनाकर गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को बंद कराया जाएगा– डीएम

द्वारा अभियान चलाकर गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को बंद कराया जाएगा। जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह और मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि जनपद में गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों की भरमार है बिना मान्यता के ही बड़ी संख्या में विद्यालय संचालित किया जा रहे हैं। ये विद्यालय शिक्षा अधिकार अधिनियम का पालन न करते हुए अभिभावकों को भ्रमित कर गुणवत्ता विहीन शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। पूर्व में बीएसए सहित जनपद के सभी उपजिलाधिकारियों को कार्यवाही के संबंध में ज्ञापन दिया जा चुका है जिसमें अभी कोई कार्यवाही नहीं हो सकी है। कहा कि गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों के बंद होने तक विरोध लगातार जारी रहेगा।

ज्ञापन सौंपने में मुख्य रूप से जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव, उपाध्यक्ष सुधीर तिवारी, सुरेश गौड़, हरेंद्र यादव, डॉ. प्रमोद सिंह, सनद पटेल, रवि सिंह, अशोक यादव, रामसागर वर्मा, राजकुमार त्रिपाठी, देवेंद्र सिंह, अखिलेश पाण्डेय, रंजन सिंह, शिवरतन आदि शामिल रहे।

कांग्रेस नेताओं को संजीवनी दे गये अजय राय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पूर्वान्चल में खोयी हुई राजनीतिक जमीन को फिर से हासिल करने के लिये कांग्रेस ने कार्यकर्ताओं को सहेजना तेज कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की बस्ती यात्रा ने जहां कांग्रेसियों को संजीवनी दिया है वहीं यह उम्मीद बलवती होती जा रही है कि आगामी उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन के बावजूद कांग्रेस को चुनाव मैंदान में उतरने के लिये पर्याप्त सीटे मिलेंगी। अल्पसंख्यक, ब्राम्हण, दलित गठजोड़ के साथ ही कांग्रेस नेतृत्व पिछड़ा वर्ग को जोड़ने की दिशा में प्रयत्नशील है। इसी कड़ी में बहुजन समाज पार्टी से विधानसभ का चुनाव लड़ चुके डा. आलोक रंजन ने मंगलवार को सैकड़ो समर्थकों बसपा के अनेक पदाधिकारियों के साथ प्रदेश

–कांग्रेस की मजबूती के लिये पूरी ताकत झोंक देंगे–डा. आलोक रंजन

अध्यक्ष अजय राय की उपस्थिति में कांग्रेस का दामन थाम लिया।

डा. आलोक रंजन ने बताया कि वे कांग्रेस में आकर जन सेवा को और अधिक व्यापक आधार दे पायेंगे। सेवा ही उनके जीवन का मूल मंत्र है। कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' और पार्टी के वरिष्ठ जनों के मार्ग दर्शन में पार्टी उन्हें जो भी दायित्व सौंपेगी उसे निष्ठा से पूरा करेंगे। डा. आलोक ने कहा कि वे पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से काफी प्रभावित हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नीति, कार्यक्रम उन्हें हृदय से प्रभावित करते हैं। डा. आलोक ने कहा कि वे केवल चुनाव लड़कर विधायक बनने के उद्देश्य से कांग्रेस में शामिल नहीं हुये हैं। वे बखूबी जानते हैं कि कांग्रेस का जनाधार बढाने और जन–जन को जोड़ने की दिशा में जमीनी धरातल पर कड़े परिश्रम की जरूरत है। पार्टी नेतृत्व के दिशा निर्देश के अनुरूप वे पूरी ताकत झोंक देंगे।

मिला नियुक्ति पत्र, खिले चेहरे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत 1334 अवर अभियंता, संगणक एवं फोरमैन को नियुक्ति पत्र मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में वितरित किया जिसका सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में देखा गया।

इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी एस विधायक महेंद्र यादव जिला अध्यक्ष विवेकानंद मिश्र विधायक प्रतिनिधि कप्तानगंज गुलाब चंद्र, हर्रैया सरोज ने सयुक्त रुप से जनपद के चयनित अभ्यर्थियों को ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के

अंतर्गत नवनियुक्त अवर अभियंता के पद पर बाल कृष्ण द्विवेदी, विनीत कुमार चौधरी, अल्का श्रीवास्तव, इबारक अली, अमित कुमार उपाध्याय, सनत कुमार पाण्डेय, अभिषेक त्रिपाठी ,संदीप कुमार मिश्र तथा जिला कृषि विभाग में दिलीप कुमार व जिला पंचायत विभाग में रविनाथ चौधरी को नियुक्ति पत्र वितरित किया।

जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने कहा कि नियुक्ति पत्र पाकर शासकीय सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है आप सभी लोग प्रयास करें कि अपकी सेवा से जनता को लाभ मिले।

बस्ती में साढे तीन लाख सदस्य बनायेगी भाजपा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।भारतीय जनता पार्टी प्रदेश प्रवक्ता व जिले के प्रभारी समीर सिंह व जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने बस्ती सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता कर पार्टी के संगठन व सदस्यता अभियान को लेकर जानकारी दी। इसके पूर्व प्रदेश प्रवक्ता ने सभी जनप्रतिनिधि, जिला पदाधिकारी सहित सदस्यता अभियान के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ बैठक कर अभियान को तेज करने को लेकर रणनीति तैयार की गई। उन्होंने बताया कि सदस्यता अभियान की शुरुआत 2 सितंबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदस्य बनाकर किया गया। सदस्यता का काम दो चरणों में चलने वाला है। यह ऑनलाइन और ऑफलाइन तरीके से चलेगा। प्रथम चरण में 2 सितंबर से 25 सितंबर 2024 तक और द्वितीय चरण में एक अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्यता के लिए सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। प्रथम चरण में सदस्यता का काम 17 तक चलेगा उसके बाद 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से 25 सितम्बर तक विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत घर घर जाकर

बृहद सदस्यता अभियान का काम किया जाएगा। पार्टी ने बस्ती जिले में 3.5 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया है। यह वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई का जन्म शताब्दी वर्ष है इसलिए सदस्यता अभियान के दौरान प्रत्येक रविवार को अटल सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। सदस्यता का कार्यक्रम डिजिटल माध्यम से होगा इसके लिए 8800002024 पर मिस कॉल देना होगा। सक्रिय सदस्य बनने के लिए 100 सदस्य बनाना होगा और नमो ऐप के माध्यम से 100 रूप सक्रिय सदस्यता शुल्क जमा करना होगा।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा भाजपा का लक्ष्य एक संतुलित और समावेशी सदस्यता आधार हासिल करना है। अक्टूबर के मध्य से यह अभियान तीसरे चरण में प्रवेश करेगा, जिसमें सक्रिय सदस्यों का नामांकन शामिल है।

जिला सदस्यता प्रमुख देवेन्द्र सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष यशकांत सिंह, महेश शुक्ल, दयाराम चौधरी, रवि सोनकर, राजेश पाल चौधरी, भानु प्रकाश मिश्र, सह प्रमुख अमृत कुमार वर्मा, चन्द्रशेखर मुन्ना, ममता सिंह, रघुनाथ सिंह, दुष्यंत सिंह, जटाशंकर शुक्ल, अंकुर वर्मा, मानस भूषण त्रिपाठी, मनमोहन श्रीवास्तव काजू, श्रुति कुमार अग्रहरी, रवि तिवारी, वागीश सिंह सहित मंडलो के सदस्यता प्रमुख मौजूद रहे।

नई पेंशन कर्मचारियों के साथ धोखा, पुरानी पेंशन के लिये जारी रहेगा संघर्ष-नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।बुधवार को सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर एसोसिएशन की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय की अध्यक्षता में प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। संचालन जिला मंत्री उदय प्रताप पाल ने किया।

बैठक को सम्बोधित करते हुये जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा लाई गई नयी पेंशन नीति यूपीएस कर्मचारी हितों के साथ धोखा है। पुरानी पेंशन ओ.पी.एस. की मांग को लेकर संघर्ष चरणबद्ध ढंग से जारी रहेगा। बताया कि एसोसिएशन लगातार सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हितों के लिये संघर्ष कर रहा है। कहा कि आगामी 25 अक्टूबर को एसोसिएशन का द्विवार्षिक अधिवेशन आफिसर्स क्लब में होगा जिससे आवश्यक मुद्दों को उठाने के साथ ही चुनाव के बाद पदाधिकारी घोषित किये जायेंगे।

जिला मंत्री उदय प्रताप पाल ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों के राशिकरण की कटौती 10 वर्ष 8 माह में पूर्ण हो जाती है, इसके बाद कटौती बंद कराया जाय। कहा कि पेंशनरों की समस्याओं के निस्तारण के लिये एसोसिएशन लगातार संघर्षशील है। उन्होने 50 प्रतिशत से अधिक मंहगाई होने पर उसे पेंशन में मर्जर कर अनुषांगिक लाभ दिये जाने पर जोर दिया गया। बैठक में बैठक में राशि कृत पेंशन की वसूली 10 वर्ष बाद न किये जाने, उम्र 65, 70 और 75 वर्ष पर 5, 10,

–सेवा निवृत्त कर्मचारी एसोसिएशन की बैठक में द्विवार्षिक अधिवेशन की घोषणा
–वरिष्ठ नागरिकों के लिये रेल सुविधा में छूट बहाल करने की मांग

15 प्रतिशत पेंशन में बढोत्तरी, रेलवे किराये में वरिष्ठ नागरिकों के लिये छूट बहाल किये जाने, पुरानी पेंशन बहाली एवं कैशलेश चिकित्सा, कोराना काल का फ्रीज डीए जारी करने आदि का मुद्दा छाया रहा। निर्णय लिया गया कि मांगे न मानी गई तो संघर्ष तेज किया जायेगा।

बैठक को उदयराज वर्मा, विशुनचन्द श्रीवास्तव, देवी प्रसाद शुक्ल, नरेन्द्र देव मिश्र, राधेश्याम तिवारी, श्यामधर सोनी, अयोध्या प्रसाद यादव, चन्द्र प्रकाश पाण्डेय, रामधीरज यादव, प्रेमशंकर लाल श्रीवास्तव, श्रीनाथ मिश्र, उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, ई. रामचन्द्र शुक्ल, एल. के. पाण्डेय, राधेश्याम त्रिपाठी, आदि ने पेंशनरों की समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये अधिकारों के लिये संघर्ष व एकजुटता पर जोर दिया।

यह जानकारी देते हुये एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी एल. के. पाण्डेय ने बताया कि बैठक में सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं पर बैठक में बिन्दुवार विचार विमर्श किया गया। कहा कि अधिवेशन में रोटरी क्लब बस्ती सेन्ट्रल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया जायेगा।

बैठक में रामनाथ, राधेश्याम तिवारी, श्रीगोपाल त्रिपाठी, देवनरायन प्रजापति, प्रेमप्रकाश मिश्र, जयनाथ सिंह, अंगिरा प्रसाद, ओम प्रकाश मिश्र, दीनानाथ प्रसाद, छोटेलाल यादव, गिरीश नरायन पाण्डेय, सुरेशधर दूबे, शीतल प्रसाद पाण्डेय, केशव प्रसाद दूबे, मनोज कुमार श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, डा. नरेन्द्र उपाध्याय, धर्म प्रकाश उपाध्याय, गंगाराम कटियार, ओंकार गिरी, देवी प्रसाद शुक्ल, राम कुमार पाल, इस्लाम अंसारी, ईश्वर प्रसाद मिश्र, सुभाष चन्द्र, चन्द्र प्रकाश लाल शारदा प्रसाद विश्वकर्मा, राम दुलारे, छोटकुन प्रसाद, दिलीप कुमार श्रीवास्तव, भरतराम चौधरी, रामनिरंजन चौधरी, गौरीशंकर श्रीवास्तव, सतीश चन्द्र , जयनरायन, दीनानाथ शुक्ल, ठाकुरदीन वर्मा, अंजनी कुमार श्रीवास्तव, राम सूरत पाण्डेय, दिनेश चन्द्र पाण्डेय, सुखसागर, अनिल कुमार पाण्डेय, गंगाराम मिश्र, दुर्गा प्रसाद पाण्डेय, लोकमान्य पाण्डेय, देवनरायन प्रजापति, घनश्यामलाल, योगेन्द्र श्रीवास्तव, हरिहर प्रसाद मिश्र, जग प्रसाद त्रिपाठी, गुप्तेश्वरनाथ पाण्डेय, भगवानदास, मेहीलाल, सुरेश चन्द्र शर्मा, गणेशदत्त, रामलौट चौबे, सुरेन्द्रनाथ आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 5 सितम्बर 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

सोशल मीडिया के खतरे

मीडिया–स्क्रीन पर अति–सक्रियता के मुद्दे पर सभ्यता ऐसे घातक मोड़ पर खड़ी है कि उसे आत्मनिरीक्षण करना ही पड़ेगा कि 'क्या हम सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं या इसने हमें हजम करना शुरू कर दिया है?' औसत छात्र दिन में सात घंटे से अधिक समय तक सोशल मीडिया (एसएम) पर व्यस्त रहते हैं, जिससे उनके पास खेल, पुस्तकालय और अन्य सामुदायिक व्यस्तताओं और व्यक्तिगत गतिविधियों के लिए कोई समय नहीं बचता है। यह अनुमान लगाया गया है कि 65 प्रतिशत किशोर सोशल नेटवर्किंग सेवा (एसएनएस) से जुड़े हुए हैं और उनमें से 72 प्रतिशत की इंटरनेट तक सीधी पहुंच है। भारत में सोशल मीडिया खातों और इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। पीईडब्ल्यू रिसर्च सेंटर के आंकड़ों के अनुसार, 77 प्रतिशत कर्मचारी काम पर सोशल नेटवर्किंग साइटों का उपयोग करना स्वीकार करते हैं।

निःसंदेह, एसएम उन लोगों को अद्वितीय मंच प्रदान करता है जो अपने सामाजिक नेटवर्क को बढ़ाने, व्यवसाय को बढ़ावा देने और अकेलेपन को दूर करने की इच्छा रखते हैं। यह उन लोगों के लिए अपनेपन की भावना को बढ़ावा देता है जिन्हें कम्पनी की आवश्यकता होती है। एसएनएस सभी को विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को, एक अच्छा समय व्यतीत करने और मनोरंजन का स्रोत प्रदान करता है। वहीं यह भी वास्तविकता है कि एसएम पर अत्यधिक सक्रियता इसके उपयोगकर्ताओं के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव डालता है।

बफेलो विश्वविद्यालय के एक अध्ययन के अनुसार, एसएनएस के अत्यधिक उपायों से उन कॉलेज के छात्रों के शारीरिक स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है जो बड़े पैमाने पर नेटवर्किंग साइटों का उपयोग करते हैं, उनमें सी–रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी) का प्रभाव उच्च स्तर पर होता है, जो मधुमेह और हृदय सम्बन्धी बीमारियों से जुड़ी समस्या का संकेत है। सोशल मीडिया की आदी नई पीढ़ी को 'नीली रोशनी के प्रभाव' से पीड़ित होने का जोखिम अधिक होता है, जो सक्रिय इलेक्ट्रोनिक उपकरणों से उत्सर्जित होती है, यह मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है जो निद्रा और जाग्रत–चक्र या 'सर्केडियन' लय को नियन्त्रित करता है, जिसके परिणामस्वरूप नींद और प्रतिरोधक–क्षमता प्रभावित होती है।

अध्ययनों ने स्थापित किया है कि सोशल मीडिया साइटों से प्राप्त लगातार उत्तेजना मनुष्यों में ध्यान–अवधि को कम करती है, और इसके दूरगामी परिणामों से रूबरू कराती है। ऐसे व्यक्तियों को स्वयं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करना मुश्किल हो सकता है, वे विवरण पर कम ध्यान देने के परिणामस्वरूप गलतियां कर सकते हैं, और सामाजिक स्थितियों, कार्यस्थल और शैक्षणिक संस्थानों जैसी परिस्थितियों में खराब प्रदर्शन कर सकते हैं। तुलना मानव स्वभाव में निहित है। सोशल मीडिया पर प्रकाशित नकली वीडियो, प्रायोजित जानकारी, अव्यावहारिक समाधान और 'शरारतपूर्ण उपाय' इतने मंत्रमुग्ध कर देने वाले होते हैं कि अनजान और निर्दोष उपयोगकर्ता अपने 'वास्तविक जीवन' की तुलना अन्य लोगों के छद्म जीवन से करना शुरू कर देते हैं, जो अन्ततः उन्हें निराश, उदास और आत्म–संदेह से ग्रस्त करता है।

यह दुखद है कि डिजिटल प्लेटफार्म पर अधिकतम 'लाइक्स' प्राप्त करने की दौड़ और सर्वश्रेष्ठ वीडियो और कहानियां बनाने की खोज ने कई भोले–भाले व्यक्तियों को अपने और दूसरों के निजी जीवन के प्रत्येक क्षण को साझा करने के लिए प्रोत्साहित कर दिया है, जिससे हर कोई उनकी गोपनीयता में घुसपैठ कर रहा है।

सामाजिक सम्पर्क साइटों पर गुप्त और असत्यापित जानकारी की बमबारी दर्शकों के दिमाग को अव्यवस्थित करने के अलावा उनके प्राइम–टाइम पर जगह बनाने और विचलित करने का कारण बन रही है, इसने उनसे दिमाग, दिल और आत्मा के साथ कुछ पल रहने और जीने का आनन्द छीन लिया है। इसके अतिरिक्त, पक्षपाती सोशल मीडिया एल्गोरिदम निष्क्रिय रूप से उपयोगकर्ताओं को अनुपयुक्त सामग्री का उपभोग करने के लिए मजबूर करते हैं जो नैतिक असंवेदनशीलता का कारण बन सकते हैं।

एक अध्ययन के अनुसार ऐसे पीड़ित स्क्रीन–उत्तेजना की खोज करने की इच्छा से मजबूर होकर, दिन में 79 बार अनैच्छिक रूप से अपने मोबाइल फोन की जांच करते देखे जा सकते हैं। नेटवर्किंग साइटों पर अत्यधिक व्यस्तता व्यक्तियों को एकान्त और अकेलेपन में घसीटने की क्षमता रखती है। नियमित रूप से आमने–सामने की बातचीत के अभाव में, मनुष्य चेहरे के संकेतों, आवाज के स्वर और परिवर्तन, शरीर की भाषा और भावनाओं की गर्मजोशी को पहचानने और उन पर प्रतिक्रिया करने की क्षमता खो देते हैं।

सोशल मीडिया की लत के नैतिक परिणाम कहीं अधिक गम्भीर हैं और 'साइबरबुलिंग' से लेकर निजता के उल्लंघन तक फैले हुए हैं। मिडल और हाई स्कूलों के 30 प्रतिशत छात्रों की पहचान 'साइबरबुलिंग' के पीड़ितों या दोषियों के रूप में की गई है, और उनमें से 18 प्रतिशत लड़कियां हैं। दुर्भाग्य से, 'साइबरबुलिंग' के 15 प्रतिशत पीड़ित अवसाद के कारण आत्महत्या करने का प्रयास करते हैं। सोशल मीडिया पर गुप्त पहचान और गुमनामी अक्सर उपयोगकर्ताओं को अनुचित सामग्री पोस्ट करने और पीछा करने, ट्रोलिंग और साइबरबुलिंग जैसे साइबर–अपराधों में लिप्त होने के लिए प्रोत्साहित करती है। हालांकि, टेलीग्राफ संचार अधिनियम, 2023 सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के कर्तव्यों को निर्धारित करता है, ग्राहकों को उनकी निजता में अनधिकृत घुसपैठ से बचाने के लिए उपाय निर्धारित करता है और प्रवर्तन एजेंसियों को आपत्तिजनक संचार को रोकने और सेवा प्रदाताओं को ऐसे तत्वों को बेनकाब करने और उनके 'एन्क्रिप्टेड' संदेशों को प्रकट करने के लिए मजबूर करने का अधिकार देता है।

शिक्षक और विद्यार्थी के बदलते सन्दर्भ

-डा. राजेश कुमार शर्मा -

मानव सभ्यता के संदर्भ में अध्यापन कार्य न केवल दूसरे व्यवसायों की तुलना में सदैव विशेष महत्व का रहा है, बल्कि 'अन्य सभी व्यवसायों का आधार भी रहा है। आज सामाजिक परिवर्तन विशेषतः तकनीक की तीव्र उपस्थिति शिक्षक और शिक्षार्थी के रिश्तों को नए सिरे से परिभाषित कर रही है। साथ ही कक्षा, समाज और व्यापक विश्व के संदर्भ में शिक्षक की संस्था भी नए ढंग से जानी–पहचानी जा रही है। इसके फलस्वरूप शिक्षक की औपचारिक भूमिका और व्याप्ति का क्षेत्र अतीत की तुलना में वर्तमान में नए–नए आयाम प्राप्त कर रहा है। इन सबके बीच अभी भी अध्यापक अपने गुणों, कार्यों और व्यवहार से छात्रों को प्रभावित कर रहा है और उसी के आधार पर भविष्य के समाज एवं देश के भाग्य को भी रच रहा है।

एक अध्यापक को समाज ने अधिकार दिया है कि वह अपने छात्र के जीवन में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हस्तक्षेप करे, विद्यार्थियों को भविष्य के सपने दिखाए और उनमें निहित क्षमता को समृद्ध कर उन सपनों को साकार करने के लिए तैयार करे। ऐसा करते हुए वह मूल्यों और मनोवृत्तियों को भी गढ़ता है। वशिष्ठ, चाणक्य, रवींद्रनाथ टैगोर, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, सर्वपल्ली राधाकृष्णन आदि के स्मरण से मन में गुरु की आदर्श और तेजस्वी छवि बनती है। ज्ञात हो कि राधाकृष्णन की जन्मतिथि पर ही शिक्षक दिवस मनाया जाता है। शिक्षा के परिसर में अध्यापक के व्यवहार के जो नैतिक और आचारगत परिणाम होते हैं, वे समाज की नैतिक परिपक्वता और विवेक को निश्चित करते हैं। इसीलिए अध्यापक को जांचने– परखने के लिए ऊंची कसौटी और मानक तय किए जाते हैं, जिन्हें दूसरे व्यवसाय के लोग आसानी से नहीं स्वीकारते। अध्यापकों से नैतिक गुणों की अपेक्षा होती है। उनसे आशा की जाती है कि वे अपने आचरण में उचित और अनुचित का विवेक करेंगे। योग्यता, कुशलता और गुणवत्ता उनके व्यवहार से झलकेगी। वे प्रतिबद्धता, काम के प्रति समर्पण, सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और पूर्वाग्रहमुक्त आचरण की मिसाल प्रस्तुत करेंगे। शिक्षक की गुणवत्ता विद्यार्थी की सफलता का सबसे प्रमुख आधार होता है। ऐसा सोच कर अभिभावक अपने मन में अध्यापक और गुरु के प्रति सहज सम्मान का भाव रखता रहा है।

पहले एक गुरु मानसिक और व्यावहारिक रूप से दूसरों की भलाई करने वाले और भविष्य का नजरिया रखने वाले इंसान के रूप में प्रतिष्ठित था। वह माता–पिता से कम महत्व का न था। वह विद्यार्थी का प्रेरणास्रोत और ऐसा हितैषी था, जो उसे सत्पथ पर जाने की राह दिखाता था। उनमें चरित्र निर्माण करते हुए एक अच्छा मनुष्य और देश का अच्छा नागरिक बनाना उसका कर्तव्य था। समाज में गुरु की ऊंची साख इसलिए भी थी कि वह निर्भय होकर बिना किसी लाग–लपेट लोकहित की बात कह सकता था, पर अब यह छवि बदल रही है। थोड़े अध्यापक ही अपनी मूल छवि की रक्षा कर पा रहे हैं। आज 21वीं सदी में पहुंच कर न केवल ज्ञान की विषयवस्तु में बदलाव आया है, बल्कि पठन–पाठन के तौर–तरीके भी बदले हैं। अनुदानप्राप्त शिक्षा केंद्रों में वेतन तो बढ़ा है, परंतु आम तौर पर शिक्षण कार्य के साथ लगाव और रुचि में कमी आई है। तल्लीन होकर कार्य करना और उसे गंभीरता से लेना अध्यापकों की प्राथमिकता में नीचे खिसक रहा है। शिक्षक की नैतिक क्षमता और योग्यता अब दुर्लभ हो रही है। अध्यापकों के विद्यार्थियों के साथ बर्ताव को लेकर गलत आचरण की शंका बढ़ रही है और भरोसा कम हो रहा है। यह खेदजनक है कि विगत वर्षों में अनेक संस्थानों में छात्रों को प्रताड़ित करने के मामलों में वृद्धि हुई है। इंटरनेट मीडिया के अनियंत्रित दखल ने स्वस्थ और सुरक्षित शैक्षिक परिवेश की राह में बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। ऐसे में नैतिकता और शिक्षा प्रक्रिया के संबंध को न्याय और ईमानदारी की भावना से स्थापित करना आवश्यक हो गया है। सामाजिक मूल्यों और मानकों का पालन, गुणवत्तापूर्ण सीखने– सिखाने की प्रक्रिया, छात्रों की आवश्यकताओं को जानकर ईमानदार और न्यायपूर्ण समाधान आज की सबसे बड़ी चुनौती हो गई है। आज के संदर्भ में अध्यापन, मूल्यांकन और अभिव्यक्ति आदि शिक्षा के विभिन्न पक्षों में तकनीकी का समुचित उपयोग करने की प्रभावी नीति की भी आवश्यकता है। प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च शिक्षा तक का शिक्षा– संदर्भ निजी, सरकारी और अर्धसरकारी संस्थाओं की श्रेणियों में बंटा हुआ है और इनमें भी भयानक स्तर पर भेद है। इनके कायदे–कानून, अध्यापकों को मिलने वाले अवसर, कार्यभार और वेतन आदि में बड़े भेद और विसंगतियां हैं। केंद्रीय महत्व का होने पर भी बहुत कम संस्थाओं में अध्यापक का स्वायत्त अस्तित्व होता हैं। आज अधिकांश शिक्षा संस्थाएं तदर्थ अध्यापकों के भरोसे चल रही हैं और खोखली हो रही हैं।

शिक्षा नीति–2020 के महत्वाकांक्षी स्वप्न को आकार देने के लिए अध्यापकों की स्थायी व्यवस्था जरूरी है। पूरी शिक्षा व्यवस्था जिस तरह व्यावसायीकरण की चपेट में है, उसका एक परिणाम कोचिंग नगरी कोटा की कथा से उजागर होता है, जहां विद्यार्थियों में आत्महत्या की प्रवृत्ति फैल रही है। वस्तुतः शिक्षा अभी तक हमारी राष्ट्रीय विकास योजना के एजेंडे में बहुत नीचे है। शिक्षा को भगवान भरोसे छोड़ बाकी चीजों में निवेश हो रहा है। इस उदासीनता के दुष्परिणाम भी दिख रहे हैं, पर राजनीति की समाधि नहीं टूट रही है। ''सा विद्या या विमुक्तये'' कहते हुए भी शिक्षा कारोबार बनती जा रही है। बाजार और व्यवसाय के ताने–बाने में शिक्षक इस कारोबार का एक अदना किरदार हो गया है। शिक्षक की गरिमा स्थापित करके ही अमृतकाल के संकल्प चरितार्थ हो सकेंगे।

ज्ञान परम्परा पर आधारित हो शिक्षा

–डॉ. सौरभ मालवीय–

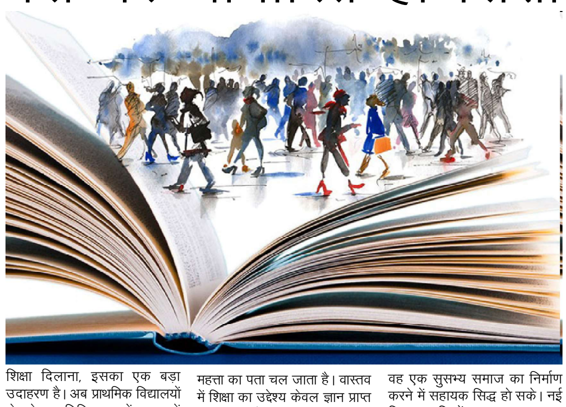

शिक्षा को लेकर समय–समय पर अनेक प्रश्न उठते रहते हैं जैसे कि शिक्षा पद्धति कैसी होने चाहिए? पाठ्यक्रम कैसा होना चाहिए? विद्यार्थियों को पढ़ाने का तरीका कैसा होना चाहिए? वास्तव में स्वतंत्रता से पूर्व देश में अंग्रेजी शासन था। अंग्रेजों ने अपनी सुविधा एवं आवश्यकता के अनुसार शिक्षा पद्धति लागू की। उनका उद्देश्य भारतीयों को शिक्षित करना नहीं था, अपितु उनका उद्देश्य केवल अपने लिए क्लर्क तैयार करना था। देश की स्वतंत्रता के पश्चात स्वदेशी सरकार ने इस ओर विशेष ध्यान नहीं दिया। स्वतंत्रता के पश्चात देश में बहुत से कार्य करने थे। संभव है कि इस कारण इस ओर ध्यान नहीं गया हो अथवा उस समय के लोगों को अंग्रेजी शिक्षा पद्धति ही उचित लगी हो। कारण जो भी रहा हो, देश में अंग्रेजी शिक्षा पद्धति से ही पढ़ाई होती रही। कुछ दशकों पूर्व देश में नई शिक्षा पद्धति की आवश्यकता अनुभव की जाने लगी तथा इस पर विचार–विमर्श भी प्रारंभ हुआ।

वर्तमान शिक्षा पद्धति का अपना महत्व है। आज प्राथमिक विद्यालयों के बच्चे भी विभिन्न विषयों पर बात कर लेते हैं, क्योंकि उन्हें आरंभ से ही विभिन्न विषय पढ़ाए जाते हैं। कुछ दशक पूर्व तक ऐसा नहीं था। किंतु आज की शिक्षा पद्धति में कुछ कमियां भी हैं, जैसे आज परीक्षा में सर्वाधिक अंक लाने पर बल दिया जाता है। अभिभावक भी यही चाहते हैं। उनके लिए इस बात का कोई अर्थ नहीं है कि उनके बच्चे विषय को समझ कर ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं अथवा केवल रट्टे लगाकर परीक्षा में उत्तर लिख रहे हैं। उन्हें तो केवल अधिक से अधिक अंक चाहिए। परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही योग्य माने जाने लगे हैं। कम या औसत अंक पाने वाले विद्यार्थी कमजोर माने जाते हैं। इसलिए विद्यार्थियों पर परीक्षा का दबाव बना रहता है। अकसर वे मानसिक तनाव की चपेट में भी आ जाते हैं। दबाव के कारण भी उन्हें अधिक अंक पाने की लालसा रहती है। इसलिए आज शिक्षा व्यवसायिक होती जा रही है। किंतु सुखद बात यह है कि शिक्षाविदों और सरकारों का ध्यान इस ओर गया है तथा इसमें अब परिवर्तन आने लगा है। अपनी मातृभाषा में शिक्षा दिलाना, इसका एक बड़ा उदाहरण है। अब प्राथमिक विद्यालयों से लेकर विश्विद्यालयों तक में मातृभाषा में शिक्षा दिलाई जाने लगी है। आज के समय में हिंदी में चिकित्सीय एवं तकनीकी शिक्षा उपलब्ध करवाना किसी स्वप्न से कम नहीं है। कुछ वर्ष पूर्व तक इस बारे में सोचना भी सरल नहीं था। यह एक सार्थक पहल है। भविष्य में इसके अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

शिक्षा भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित होनी चाहिए। सदैव से हमारी प्राचीन भारतीय सभ्यता विश्व की सर्वाधिक गौरवशाली एवं समृद्ध सभ्यताओं में एक रही है। विश्व के अधिकतर देशों में जब बर्बरता का युग था, उस समय भी हमारी भारतीय सभ्यता अपने शीर्ष पर थी। इसका सबसे बड़ा कारण शिक्षा ही है। हमारे पूर्वजों ने शिक्षा के क्षेत्र में अत्यंत उन्नति की। शिक्षा के कारण ही जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विकास हुआ। इस पवित्र भारत भूमि पर वेद, पुराणों एवं उपनिषदों की रचना हुई। रामायण की रचना हुई, जिसमें जीवन का सार है। महाभारत की रचना हुई, जो हमें अन्याय के विरुद्ध खड़ा होने की प्रेरणा देती है। यह सब शिक्षा के कारण ही संभव हो सका। मानव के लिए जितने आवश्यक वायु, जल एवं भोजन है, उतनी ही आवश्यक शिक्षा भी है। इसलिए शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो विद्यार्थियों को अक्षर ज्ञान देने के साथ–साथ उनके व्यक्तित्व का भी विकास करे। हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली ऐसी ही थी। शिक्षा का प्रथम उद्देश्य ही विद्यार्थी के चरित्र का निर्माण करना होता है। हमारी भारतीय संस्कृति में चरित्र निर्माण पर सर्वाधिक बल दिया गया है, क्योंकि चरित्र के बिना किसी भी गुण का कोई महत्व नहीं है। मनुस्मृति में कहा गया है कि सभी वेदों का ज्ञाता विद्वान भी सच्चरित्रता के अभाव में श्रेष्ठ नहीं है, किंतु केवल गायित्री मंत्र का ज्ञाता पंडित यदि चरित्रवान है, तो वह श्रेष्ठ है। इससे चरित्र की महत्ता का पता चल जाता है। वास्तव में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं होना चाहिए, अपितु शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास होना चाहिए, ताकि वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विकास कर सके। शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी को उसके अधिकारों के साथ–साथ उसके कर्त्तव्यों के बारे में जानकारी देना भी होना चाहिए, ताकि वह अपने अधिकारों को प्राप्त कर सके तथा परिवार एवं समाज के प्रति अपने कर्त्तव्यों का भी निर्वहन कर सके। शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी के जीवन स्तर को उन्नत एवं समृद्ध बनाना भी है। शिक्षा के माध्यम से वह अपने जीवन को सुगम, उन्नत एवं समृद्ध बना सके। प्राचीन काल में विद्यार्थियों को अक्षर ज्ञान के साथ–साथ व्यवसायिक कार्यों का भी प्रशिक्षण दिया जाता था, ताकि वे अपने–अपने कार्यों में भी निपुणता प्राप्त कर सकें। एक नैतिकता से परिपूर्ण चरित्रवान व्यक्ति ही अपने कुल, समाज एवं राष्ट्र का नाम ऊंचा कर सकता है। इसके अतिरिक्त शिक्षा विज्ञान पद्धति पर भी आधारित होनी चाहिए तथा इसमें नवाचार भी होना चाहिए।

आज के समय में जिस प्रकार समाज में वैमनस्यता तीव्रगति से बढ़ रही है, वह दुख एवं चिंता का विषय है। वर्तमान समय में मनुष्य का जीवन– मूल्यों से विश्वास उठता जा रहा है। वह चरित्र की अपेक्षा धन–संपत्ति को महत्व दे रहा है। इससे उसका नैतिक पतन हो रहा है तथा समाज में अपराध दिन–प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। आज के युवाओं को नित–नई चीजे चाहिए। इसके लिए कुछ युवा अनैतिक कार्यों का सहारा भी लेते हैं। आपराधिक तत्व उनकी महत्वाकांक्षा का अनुचित लाभ उठाते हुए उन्हें अपराध की दलदल में फंसा देते हैं. इस प्रकार उनका जीवन नष्ट हो जाता है।

इसलिए पाठ्यक्रम में ऐसे परिवर्तन की आवश्यकता है, जिससे मनुष्य का नैतिक विकास हो तथा वह एक सुसभ्य समाज का निर्माण करने में सहायक सिद्ध हो सके। नई शिक्षा पद्धति में इस बात पर ध्यान दिया जा रहा है। नई शिक्षा पद्धति का उद्देश्य ऐसे सदाचारी मनुष्यों का विकास करना है, जिनमें दया, करुणा एवं सहानुभूति आदि गुण हों। जो नैतिक मूल्यों से संपन्न हों, जिनके लिए मानवीय मूल्य सर्वोपरि हों। जो केवल अपने बारे में न सोचकर संपूर्ण समाज के बारे में सोचें। इसलिए उत्तम शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम में चारित्रिक विकास एवं मानवीय गुणों को विकसित करने के विषयों को भी सम्मिलित किया जाना चाहिए, जिससे नागरिक सामाजिक, नैतिकता तथा आध्यात्मिक मूल्यों को प्राप्त कर सकें। हमारे पूर्वजों ने हमें 'वसुधैव कुटुंबकमश का मंत्र प्रदान किया है, जिसका अर्थ है कि धरती ही परिवार है। यही हमारे सनातन धर्म का मूल संस्कार एवं विचारधारा है। हमें इस मंत्र को जीवन में आत्मसात करना होगा। इसका प्रारंभ बाल्यकाल से ही होना चाहिए। यह संस्कार बालकों को घुट्टी में मिलना चाहिए। इसके लिए मूल्य आधारित एवं नैतिक शिक्षा की नितांत आवश्यकता है। बच्चों को देश के तीज–त्यौहारों के बारे में विस्तार से जानकारी देनी चाहिए। उन्हें इन त्यौहारों से संबंधित देवी–देवताओं की कथाएं सुनानी चाहिए। उन्हें इनसे संबंधी घटनाओं की जानकारी देनी चाहिए। मर्यादा पुरुषोत्तम राम का चरित्र प्रेरणा का स्रोत है। वे एक आदर्श पुत्र, आदर्श भ्राता एवं आदर्श मित्र आदि थे। इसके अतिरिक्त देश के महापुरुषों से संबंधित जीवनियां भी बच्चों को पढ़ाई जानी चाहिए, ताकि वे इनसे प्रेरणा प्राप्त कर सकें।

इस बात में कोई संदेह नहीं है कि यदि शिक्षा भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित होगी, तो इससे शिक्षकों एवं छात्रों के संबंध और अधिक मधुर होंगे।–(लेखक लखनऊ विवि. में एसोसिएट प्रोफेसर है ।)

राष्ट्र निर्माण के शिल्पी शिक्षक

–संजीव ठाकुर–

वैसे तो हर बालक की प्रथम शिक्षिका माता ही होती है पर जीवन के संसार में प्रवेश के बाद शालाओं, पाठशालाओं और विश्वविद्यालय के शिक्षको की भूमिका उसके संपूर्ण जीवन में बालकों,छात्रों के लिए दिग्दर्शक और श्रेष्ठ नागरिक निर्मित करने की होती हैस डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा षकि शिक्षक वह नहीं है जो विद्यार्थी के दिमाग में तथ्यों को बोझ बनाएं बल्कि वास्तविक शिक्षक वह है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करेंष द फिलॉसफी ऑफ ऑफ उपनिषद, ईस्ट वेस्ट सम रिफ्लेक्शंस, इंडियन फिलासफी, हिंदी व्यू ऑफ लाइफ जैसी गूढ किताबों की रचना करने वाले 40 वर्ष तक शिक्षक का कार्य सफलतापूर्वक निर्वहन करने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितंबर को पूरे भारत में शिक्षक दिवस के रूप में हम बड़े आदर श्रद्धा पूर्वक मनाते हैंस पर वर्तमान में शिक्षा के निजीकरण के बाद शिक्षा एक व्यवसाय का रूप लेती नजर आ रही है, इसलिए शिक्षकों को व्यवहार में भी काफी परिवर्तन देखा गया है और यही कारण है कि शिक्षकों के सम्मान एवं आधार में कुछ वर्षों से काफी कमी आई है ।शिक्षकों के सम्मान में आई इस कमी के लिए केवल छात्र, वर्तमान का भौतिक युग और अभिभावक ही दोषी नहीं है बल्कि शिक्षक भी इस में समान रूप से कहीं न कहीं दोषी पाए गए हैं। शिक्षक दिवस मनाने के उद्देश्य न केवल विद्यार्थियों शिक्षकों के महत्व को बताते हुए उन्हें सम्मान देने के लिए प्रेरित करना है बल्कि शिक्षकों को उनकी भूमिका एवं उत्तरदायित्व का आभास भी करवाने के लिए शिक्षक दिवस मनाया जाता है। वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा है विद्यार्थियों में आनंद का भाव और ज्ञान के आनंद को पैदा करना शिक्षकों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण गुण और कार्य हैस वैसे तो यह सर्वविदित है कि शिक्षक महोदय का कार्य अध्यापन करना होता है किंतु अध्यापन के उद्देश्य की पूर्ति तब ही हो सकती है जब इसके अतिरिक्त विद्यालय महाविद्यालय की अनुशासन व्यवस्था में सहयोग करके शिष्टाचार का पालन अपने सहकर्मियों के साथ सकारात्मक व्यवहार एवं पाठ्यक्रम के अन्य क्रियाकलापों में भी अपनी सहभागिता एवं सहयोग रखना भी होता हैस शिक्षकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह एक आदर्श रूप सदैव धारण किए रहे और अनुशासन ,समय की प्रतिबद्धता एवं जितने भी कार्य का दायित्व उसे सौंपा जाए वह उसे 100: निष्ठा और कर्तव्य परायणता के साथ संपादित करें ।आज हम यह भूल जाते हैं कि शिक्षक भी एक इंसान ही होता है वह हर कार्य में संपूर्ण रूप से खरा नहीं उतर सकता फिर ऐसे में किसी व्यक्ति से संपूर्ण रुप से आदर्श व्यक्ति होने की अपेक्षा रखना बेमानी होता है.। राष्ट्र निर्माण में जिन शिक्षकों की भूमिका इतनी महत्वपूर्ण होती है और नवोदित बालकों को प्राथमिक शिक्षा से लेकर डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक एवं राजनेता बनाते तक शिक्षक इन्का दिग्दर्शन करते हैं को केवल एक दिन सम्मान देकर भूल जाना कतई उचित नहीं है. वैसे शिक्षक दिवस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 5 अक्टूबर को मनाया जाता है और इसकी शुरुआत 1994 में यूनेस्को में की गई थी अमेरिका ,चीन ,इजराइल एवं अन्य यूरोपीय देशों में शिक्षक दिवस अलग–अलग दिवसों में मनाया जाता हैस शिक्षक और शिक्षा एवं ज्ञान का बुनियादी स्वरूप किसी भी राष्ट्र की शक्ति एवं विकास का आधार स्तंभ होते हैंस किसी भी राष्ट्र की उन्नति के लिए शिक्षा और शिक्षकों के महत्व को आत्मसात करते हुए शिक्षा के कार्य को सभी कार्यों से श्रेष्ठ समझ कर उसे सर्व कालीन सम्मान दिया जाना चाहिए ,जबकि विकासशील देशों में भारत सहित शिक्षकों को वह स्थान नहीं दिया जा रहा है जिसके वह मूल हकदार हैं उन्हें उचित वेतनमान एवं आर्थिक सहायता भी उच्च स्तर की प्राप्त होनी चाहिए जिससे वह अपना शत–प्रतिशत छात्रों को समर्पित कर सकेंस यूरोपीय देशों में शिक्षकों के महत्व को दर्शाते हुए वहां उनका वेतन डॉक्टर, इंजीनियर, एवं अन्य प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों से अधिक प्रदान किया जाता है जिससे शिक्षक अपने परिवार और आने वाली पीढ़ी के लिए समुचित आर्थिक व्यवस्था कर सके. पर भारतीय परिपेक्ष में प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षकों को न्यूनतम वेतन में संविदा नियुक्ति पर रख उनका अवमूल्यन कर दिया गया है।

अंधेरे का लाभ उठाकर चोरों ने काट डाले 13 पेड़

संवाददाता–बलरामपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र अन्तर्गत पूरनपुर गांव के दक्षिण स्थित राप्ती मुख्य नहर के दोनों तरफ लगे यूकेलिपटिस पेड को मंगलवार रात में बारिश व अंधेरे का फायदा उठाकर चोर गिरोह के सदस्यों ने जमकर फायदा उठाया। रात के अंधेरे में करीब 13 पेड़ यूकेलिपटिस के काट डाले। ले जाने के लिए साधन का इंतजार कर ही रहे थे इसी बीच पास के खेत की रखवाली कर रहा किसान को पेड़ काटने की आवाज सुनाई दी। उसने दीनानगर कैंप में मौजूद नहर आपरेटर को पेड कटने की जानकारी दी। आपरेटर ने 112 पुलिस सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस को देख लकड़ी छोड़ चोर फरार हो गए। बुधवार सुबह नहर विभाग टीम ने सभी लकड़ियों को उठाकर पास के दीनानगर कैंप में रखवा दिया। पूरनपुर ग्राम प्रधान अक्षय कुमार वर्मा, धर्मेंद्र कुमार, पारसराम, मुकेश कुमार, राज कुमार आदि लोगों ने बताया कि तीन माह पहले भी करीब दस पेड़ काटकर चोर गिरोह के सदस्यों ने रातों रात गायब कर दिया था। जिस पर नहर विभाग ने आज तक कोई कार्रवाई नहीं की। इस संबंध में राप्ती मुख्य नहर के सहायक अभियंता पंकज राज ने बताया कि जांच कर हर्रैया थाने पर तहरीर दी जाएगी।

कब्र से शव निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

संवाददाता–बलरामपुर। एक वर्ष पूर्व थाना रेहरा बाजार के शेरगंज ग्रांट में 11 वर्षीय बालक मुजाहिद रजा का शव तालाब में पाया गया था। परिजनों का कहना था कि बालक की हत्या की गई है जबकि पुलिस का मानना था कि बालक की तालाब में डूबकर मौत हुई है। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए रेहरा थाने में तहरीर दी लेकिन सुनवाई नहीं हुई। सीओ से लेकर डीएम व एसपी तक न्याय की गुहार लगाई फिर भी बात नहीं बनी। परिजनों ने हाल में ही आए डीएम पवन अग्रवाल से अपनी व्यथा सुनाई तो उनका दिल पसीज गया। उनके निर्देश पर एसडीएम उतरौला की मौजूदगी में बुधवार को बालक के शव का अवशेष कब्र से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रेहरा थाना के ग्राम पंचायत हैदरडीह के मजरे शेरगंज ग्रिंट में 11 अगस्त 2023 गांव के निकट तालाब में 11 वर्षीय मुजाहिद रजा का शव मिला था। मुजाहिद के चाचा कलीम का आरोप था उनके भतीजे का गांव के कुछ बच्चों से विवाद हो गया था। आरोप है कि अकील व तपिश ने मुजाहिद को जान से मारने की धमकी दी थी। कलीम का कहना है कि उसके भतीजे के बहला फुसलाकर लोग तालाब के किनारे ले गए और उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। शव को तालाब में फेंक दिया।

घटना की सूचना पाकर परिवारीजनों ने शव को तालाब से बाहर निकलवाया। मुजाहिद की जीभ बाहर निकली हुई थी। उसके पेट में पानी भी नहीं था। घटना की जानकारी थाना रेहरा बाजार के प्रभारी निरीक्षक प्रमोद चौहान को दी गई, लेकिन उन्होंने उसे गंभीरता से नहीं लिया। थक हार कर परिजनों ने शव को कब्र में दफन कर दिया। घटना से सम्बन्धित प्रार्थना–पत्र तत्कालीन क्षेत्राधिकारी, पुलिस अधीक्षक व जिलाधिकारी को दी गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई गई। सम्बन्धित अधिकारियों ने डूबकर मौत होने की पुष्टि करते हुए मामले का निस्तारण कर दिया। मुसाहिद के चाचा कलीम को न्याय मिलने की पूरी उम्मीद थी। वह लगातार प्रार्थना–पत्र देता रहा। डीएम पवन अग्रवाल के समक्ष प्रस्तुत होकर प्रार्थना–पत्र दिया और मामले से अवगत कराया।

एसडीएम ने राजस्व वसूली में और तेजी लाने के लिए दिए निर्देश

संवाददाता–बहराइच। नवागत एसडीएम आईएएस आलोक प्रसाद ने बुधवार को एसडीएम न्यायिक लालधर सिंह यादव व तहसीलदार अभयराज पांडे के साथ तहसील का निरीक्षण किया। तहसील की व्यवस्थाओं को और चुस्त– दुरुस्त बनाने के लिए कर्मचारियों को निर्देशित किया। उन्होंने संग्रह अनुभाग, नजारत, तहसीलदार कोर्ट, अभिलेखागार, आरके ऑफिस व मतदाता पंजीकरण केंद्र आदि निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वह अपने–अपने दायित्व का निर्वहन पूरे मनोयोग से करें, जिससे आम जनता को अपनी समस्याओं के निस्तारण के लिए बार–बार तहसील के चक्कर न काटने पड़े। उन्होंने बताया कि जन समस्याओं का निस्तारण उनकी पहली प्राथमिकता है। आम जनता को त्वरित न्याय मिले तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी मिल सके, इसके लिए वह सतत प्रयासरत रहेंगे। तहसील कैसरगंज में नवागत आईएएस आलोक प्रसाद की कैसरगंज एसडीएम पद पर तैनाती हुई है। आलोक प्रसाद 2022 बैच के आईएएस हैं। वर्ष 2020 में आईपीएस की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ट्रेनिंग के दौरान ही उनका आईएएस में चयन हो गया था।

जिंदा पकड़ो या मुर्दा? नरभक्षी भेड़ियों को पकड़ने के लिए रोडमैप तैयार, मंत्रियों ने अफसरों को सौंपी जिम्मेदारी

संवाददाता–बहराइच। जिले में आतंक मचाने वाले भेड़ियों को पकड़ने के लिए आदेश जारी हो चुका है। नरभक्षी भेड़ियों को पकड़ने के लिए पूरा रोडमैप भी तैयार कर लिया गया है। जल्द ही भेड़िए वन विभाग के शिकंजे में होंगे। बुधवार को बहाइच दौरे पर पहुंचे कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद और वन राज्यमंत्री अरुण सक्सेना ने भी भेड़ियों को पकड़ने को लेकर अफसरों संग बैठक की। कलेक्ट्रेट में आयोजित इस बैठक में वनमंत्रियों ने अफसरों के साथ भेड़िए के हो रहे हमले पर गहनता से विचार–विमर्श किया। इसके बाद दोनों मंत्रियों ने अफसरों को जिम्मेदारी भी सौंप दी।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए वन मंत्री राज्य अरुण सक्सेना ने कहा कि इंसान की कीमत का कोई मोल नहीं है। ऐसे में नरभक्षी भेड़िए को जिंदा या मुर्दा पकड़ने का आदेश जारी कर दिया गया है। जिसके लिए देहरादून से एक्सपर्ट की टीम भी बुलाई गई है। एक सवाल के जवाब में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार सदैव पीड़ितों के साथ खड़ी है। जिसके यहां भी भेड़िए का हमला हो रहा है, उसे तत्काल मुआवजा दिया जा रहा है। वहीं वन मंत्री अरुण सक्सेना ने कहा कि भेड़िए को पकड़ने के लिए टीमें बढ़ा दी गई हैं। ड्रोन की भी संख्या बढ़ाई जा रही है। उम्मीद की जा रही है कि नरभक्षी भेड़िया जल्द ही या तो पिंजरे में कैद होगा या फिर उसे शूट कर दिया जाएगा।

सड़क हादसे में शिक्षक की मौत

संवाददाता–गोण्डा। शहर के सर्कुलर रोड पर मंगलवार देर रात सड़क दुर्घटना में शिक्षक सुधीर सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। सुधीर सिंह शहर के फातिमा स्कूल में इंग्लिश के शिक्षक थे। बताया जाता है कि वह बाइक से आवास विकास से निकलकर सर्कुलर रोड पर करबला की ओर जा रहे थे, तभी अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया। इसके बाद वहां चालक मौके से फरार होने में कामयाब रहा। घटना के बाद सड़क पर लोगो की भीड़ जुट गई, और जाम लग गया। सूचना मिलते ही महाराजगंज चौकी प्रभारी दिनेश राय सहित अन्य पुलिस कर्मी पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। उधर, मृतक के भाई दीपक सिंह ने अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध नगर कोतवाली में तहरीर दी है। नगर कोतवाल मनोज पाठक ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर वाहन की तलाश की जा रही है। दुर्घटना में शिक्षक की मौत पर फातिमा स्कूल के प्रधानाचार्य अरुण मोरस, शिक्षक संजीव अग्रवाल, विनय किशोर सहित स्कूल प्रबंधन और अन्य शिक्षको ने मृत्यु पर संवेदना व्यक्त की। शोक सभा के बाद बुधवार को विद्यालय का अवकाश घोषित कर दिया गया।

परिषदीय शिक्षक समस्याओं के समाधान पर संगठन ने दिया जोर

संवाददाता–बलरामपुर। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ की मंडलीय बैठक नगर शिक्षाधिकारी कैंपस में आयोजित की गई। बैठक में शिक्षक समस्याओं के समाधान की रणनीति बनाते हुए त्रैमासिक समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के मंडलीय अध्यक्ष परवेज अकरम ने किया। अतिथि के रूप में प्रांतीय संयुक्त मंत्री डॉ विजय त्रिपाठी रहे। बैठक में देवीपाटन मंडल के शिक्षकों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए निर्वाचन ड्यूटी में यदि पति–पत्नी की ड्यूटी लगती है तो उसमें से एक शिक्षक को चुनाव ड्यूटी से मुक्त रखने की बात कही गई। मंडलीय महामंत्री अरुण मिश्रा ने कहा कि उतरौला नगर क्षेत्र के विद्यालय जर्जर है, जिसका पुनर्निर्माण कराया जाना जनहित में जरूरी है। गोंडा जिला से शिक्षकों की जो भी समस्याएं थीं उसको जिला में शिक्षाधिकारी एवं वित्त लेखाधिकारी से मिलकर हल कराया जाए। मंडल अध्यक्ष परवेज अकरम ने कहा कि जो लोग संगठन में रुचि रखते हैं वे लोग आगे आए हैं। हम सभी मिलकर शिक्षकों की समस्याओं का समाधान करेंगे। गोंडा जिला महामंत्री सुधाकर मिश्रा, उपाध्यक्ष गार्गी गुप्ता, नगर अध्यक्ष सलमान खान, नगर महामंत्री सरिता वर्मा, जिला कोषाध्यक्ष गोंडा शिव कुमार गुप्ता, जिला संयुक्त मंत्री गोंडा उमेश कुमार श्रीवास्तव, कवींद्र मिश्रा व प्रधानाध्यापक महमूदुल हक आदि ने परिषदीय स्कूलों की समस्याओं एवं संगठन की मजबूती पर प्रांतीय नेतृत्व से विभिन्न बिंदुओं को साझा किया। बैठक में सदस्यों की सदस्यता शुल्क एवं संघीय संविधान के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री आवास के 796 लाभार्थियों के घर पहुंचेंगी शासन की योजनाए

संवाददाता–महराजगंज। मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के घर सरकार की कल्याणकारी योजनाएं पहुंचेंगी। इसके लिए डीएम अनुनय झा ने डीआरडीए समेत कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कराने वाले सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को सर्वे कर दिवाली से पहले लाभान्वित कराने का निर्देश जारी किया है। डीएम के आदेश के बाद अधिकारी लाभार्थियों के घर टीम भेज यह पता लगाने में जुट गए हैं कि कौन–कौन सी योजनाओं से अभी तक पात्र सीएम आवास के लाभार्थी महरूम हैं?

जिले में 2715 लाभार्थियों का मुख्यमंत्री आवास योजना में चयनित किया गया है। धन आवंटित होने के बाद इसमें से 2706 लाभार्थियों के आवास निर्मित हो चुके हैं। पिछले वित्तीय वर्ष 2023–24 में 796 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री आवास मिला है। इन लाभार्थियों के परिवार में पात्रों को वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला गैस कनेक्शन समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं से संतृप्त कराना है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि सभी प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजनाओं के लाभार्थियों के घर के सामने पौधे लगाए जाएं। इनमें सहजन के पौधे अनिवार्य रूप से शामिल रहे। सहजन के पौधे औषधीय व पौष्टिक गुणों से परिपूर्ण हैं। इससे पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा। पौधे बड़े होने पर उसके फल को सब्जी के रूप में भी लाभार्थी इस्तेमाल कर सकेंगे।

जिले में मुख्यमंत्री आवास योजनाओं के लाभार्थियों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं को संतृप्त किया जाना है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि पिछले वित्तीय वर्ष में स्वीकृत 796 मुख्यमंत्री आवास के लाभार्थियों को नियम के मुताबिक वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला गैस कनेक्शन समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं से संतृप्त कराएं। इसके लिए सर्वे कराया जा रहा है।

शिक्षक ने अपने दम पर विद्यालय में सुविधाएं बढ़ाकर कान्वेंट को दिया मात

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के कई परिषदीय स्कूलों में सरकार कीतमाम व्यवस्थाओं व योग्य शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की तैनाती के बावजूद छात्र वहां जाना नहीं पसंद करते। वहीं कुछ परिषदीय स्कूल ऐसे भी हैं जो कॉन्वेंट स्कूलों को मात दे रहे हैं। तुलसीपुर शिक्षा क्षेत्र का पूर्व माध्यमिक विद्यालय कौवापुर ऐसा है जहां की शिक्षा व्यवस्था कान्वेंट सकूलों को मात दे रही है। इस विद्यालय में प्रवेश करते ही वॉल पेंटिंग, रंग रोगन व हरा भरा पर्यावरण तथा बच्चों में शिक्षा का लगाव देखने मात्र से ही कान्वेंट से कम नहीं लगता। इस विद्यालय में 129 बच्चे पंजीकृत हैं। तीन साल पहले प्रधानाध्यापक हरिश्चंद्र की नियुक्ति यहां हुई थी। सबसे पहले उन्होंने भवन की दशा सुधारी और खाली पड़ी जमीन पर पौधरोपण कराया। वह बच्चों को सच्ची लगन से पढ़ाने लगे। पढ़ाई के साथ–साथ उन्हें खेलकूद में भी प्रोत्साहित किया। धीरे–धीरे विद्यालय की ख्याति क्षेत्र में फैल गई। उन्होंने बताया कि गांव समेत पड़ोस के सात गांव के बच्चे भी यहां शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। अवकाश होने के बाद कमजोर बच्चों का विद्यालय बुलाकर गीत, चुटकुला व नृत्य के माध्यम से शिक्षा देते हैं। विद्यालय में दीवारों पर वॉल पेंटिंग, आई कार्ड व लाइब्रेरी आदि की समुचित व्यवस्था है। बच्चों को बैठने के लिए निजी मद से डाइनिंग टेबल की व्यवस्था भी कराई गई है। यहां पढ़ने वाले छात्र–छात्राएं मंडलीय व राज्य स्तर तक खेल प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर चुके हैं।

जिले में भाजपा बनाएगी छह लाख सदस्य –मिश्रा

संवाददाता–गोण्डा। भाजपा प्रदेश मंत्री अभिजात मिश्रा ने कहा कि जिले को छह लाख पार्टी सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है। पार्टी सदैव नवीन कार्यकर्ता बनाने के लिए समय–समय पर सदस्यता अभियान चलाती रहती है। 2014 में तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने सर्वप्रथम भाजपा की डिजिटल सदस्यता शुरू की थी। अब 2024 में सबकी सदस्यता को समाप्त करके पुनः सदस्यता लेने का अभियान शुरू किया गया। प्रदेश मंत्री बुधवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर 8800002024 मिस्ड काल करके डिजिटल सदस्यता प्राप्त करने के लिए नंबर जारी किया गया है। जो भी व्यक्ति बीजेपी में आस्था प्रकट करते हुए इस नंबर पर मिस कॉल करेगा भाजपा कार्यकर्ता द्वारा सत्यापित करते हुए उसका सदस्यता कार्ड जारी कर दिया जाएगा। बुधवार से जिले में प्रारंभ सदस्यता अभियान की प्रक्रिया 15 अक्तूबर तक चलेगी। 11 सितंबर से लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर तक विशेष अभियान के रूप में सदस्यता दिलाई जाएगी। भाजपा जिला अध्यक्ष अमरकिशोर कश्यप ने कहा कि पार्टी ने यह तय किया है कि यह वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की स्वर्ण शताब्दी वर्ष भी है। इस सप्ताह के प्रत्येक रविवार को अटल सदस्यता अभियान चलाया जाएगा।

जिला मीडिया प्रभारी व अभियान के सहसंयोजक राघवेंद्र ओझा पट्टू ने बताया कि प्रत्येक बूथ पर 200 प्राथमिक सदस्य बनाने होंगे। सक्रिय सदस्य बनने के लिए एक व्यक्ति को 100 सदस्य बनाना अनिवार्य होगा। सक्रिय सदस्य बनाने का कार्य 16 अक्टूबर से प्रारंभ किया जाएगा। इस दौरान गौरा विधायक प्रभात कुमार वर्मा,अभियान संयोजक जिला महामंत्री जसवंत लाल सोनकर, सहसंयोजक जिला उपाध्यक्ष दीपक अग्रवाल,अंजू सिंह खरवार,जिला मंत्री संदीप सिंह एवं जिला महामंत्री आशीष त्रिपाठी,राकेश तिवारी रहे।

भाजपा के सदस्यता अभियान ने पकड़ी तेजी

संवाददाता–बहराइच। भाजपा का सम्पूर्ण देश में चल रहा सदस्यता अभियान रफ्तार पकड़ रहा है। शहर के चंद्रिकापुरी स्थित भाजपा जिला कार्यालय पर मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी शिवभूषण सिंह ने ब्लॉक प्रमुखों, जिला पंचायत सदस्यों के साथ बैठक कर सदस्यता अभियान को परखा। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों को एक लक्ष्य देकर कहा कि आप सभी लोगों को इस लक्ष्य के माध्यम से आम जनमानस के बीच जाकर सदस्यता अभियान चलाकर लोगों को भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बनाना है। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष बृजेश पांडेय ने अभियान की रूपरेखा की जानकारी दी गई। जिलाध्यक्ष ने बताया कि ब्लॉक प्रमुखों को अपने इलाके में 5000 सदस्य बनाना होगा। अपने बूथ पर 100 सदस्य बनाना होगा। इसी क्रम में सभी जिला पंचायत सदस्यों को पंचायत सदस्य को 500 सदस्य बनाना होगा तथा अपने बूथ से 100 सदस्य सक्रिय सदस्य बनने के लिए बनाना होगा। ग्राम प्रधान को 200 सदस्य बनाना होगा। आशा बहू, पंचायत मित्र, बीडीसी को 100 सदस्य बनाने होंगे। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रण विजय सिंह, सुबेद वर्मा आदि मौजूद रहे।

कर्मी की विदाई पर उद्यान कार्यालय में हुआ सहभोज

संवाददाता–बहराइच। उद्यान विभाग के कर्मठ कर्मचारी राम कुमार वर्मा सेवानिवृत्ति हो गए। कार्यालय परिसर में सहभोज आयोजित कर उन्हें विदाई दी गई। इस मौके पर जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी ने कहा कि उनके साथ काम करने का कम समय मिला, किन्तु उन्होंने मेरी ओर से सौंपे गए सभी कार्यों को समय एवं पूर्ण निष्ठा के साथ किया। उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु कामना की। श्री वर्मा जी आरके वर्मा ने कहा कि उनकी पहचान जन्म से नहीं, बल्कि मेरे कर्म से रही है। अपने कार्य को पूर्ण निष्ठा, लगन, ईमानदारी एवं समयबद्धता के साथ किया।

इस अवसर पर अजय कुमार, ओम प्रकाश त्रिपाठी, अवनीश श्रीवास्तव, अखण्ड प्रताप सिंह, पंकज वर्मा, मंजीत सिंह, जितेन्द्र सिंह, धनपत यादव, वृजेश कुमार, मंशाराम यादव, श्रीमती सावित्री देवी, सैय्यद राशिद महमूद, अमरनाथ, दिनेश कुमार, अखिलेश यादव, मिथुन प्रताप, रजनीश कुमार, शेबू, श्री विकास शर्मा, दीपक कुमार के अलावा आरसी. चौधरी, सरंक्षक राज्य कर्मचारी संघ, ई नीरज वर्मा, अध्यक्ष राकस परिषद, ई अलीम, सिंचाई विभाग, पवन गौतम ने शुभकामनाएं दीं। जनपद के प्रगतिशील कृषकों में गुलाम मोहम्मद, जरवल, अम्बिका नाथ, कृष्णानन्द शुक्ल, रामफेरन पाण्डेय आदि ने कहा कि 15 वर्ष पूर्व जिले में पुरानी पद्धति से खेती की जा रही थी, जिससे आय बहुत ही सीमित थी, उनकी प्रेरणा से औद्यानिक खेती की तरफ रुझान बढ़ा जिससे आय में वृद्धि के साथ ही जीवन स्तर में भी सुधार हुआ। इस मौके पर उनकी पत्नी, पुत्र व पुत्रवधु श्रीमती देवकी वर्मा, अर्जुन पटेल, पारूल कटियार, ललित सिंह, निशि गंगवार, अमित पटेल व शेर सिंह, सुनीता सिंह आदि रहे। संचालन यशवन्त राव भाष्कर ने किया।

जिले में शहर से लेकर गांवों तक चोरों की दहशत

संवाददाता–देवरिया। महुआडीह थाना क्षेत्र के भटनी दादन चौराहे पर कुछ माह पूर्व विक्रम विशनपुर निवासी सदानन्द वर्मा के आभूषण व कपड़े की दुकान में नकब काट कर 6 किलो चांदी, 250 ग्राम सोने का जेवर, नगदी समेत करीब 15 लाख की चोरी की सुबह जानकारी होने पर सीओ व एसओ तथा फारेंसिक व डाग स्क्वायड टीम ने घटना स्थल का जायजा लिया। पीड़ित दुकानदार थाना, जिला से लेकर गोरखपुर तक पुलिस अधिकारियों से मिलकर घटना के खुलासे की गुहार लगा चुके, लेकिन पुलिस आज तक इस भीषण चोरी का खुलासा नहीं कर सकी। बरियारपुर थाना क्षेत्र के रामपुर कारखाना के विधायक सुरेन्द्र चौरसिया के गांव कुशहरी निवासी राकेश कुशवाहा के घर की महिलायें 10 अप्रैल की लड़के पूजन करने गयी। जबकि परिवार के अन्य सदस्य अभी साये हुए थे। इस दौरान चोर दरवाजा खोलकर अंदर घुस गये और आलमारी तोड़कर करीब आठ लाख रूपये का सोने, चांदी का जेवर तथा मोबाइल चुरा ले गये। पूजन कर महिलाओं के आने पर चोरी की जानकारी हुई। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया, लेकिन चोरी की घटना का आज तक खुलासा नहीं हो सका। कुछ माह पूर्व रामपुर कारखाना नगर पंचायत निवासी जमाल कुरैशी मकान में ताला बंद कर परिवार समेत ससुराल चले गये। इस दौरान मौका पाकर चोरों ने उनका घर खंगाल डाला। उनके घर से 9 लाख रूपये का जेवर व अन्य सामानों की चोरी की गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच–पड़ताल किया। पीड़ित ने चोरी की घटना की तहरीर दिया। वह कई बार थाने पर चोरी की घटना के खुलासे की मांग की। लेकिन पुलिस थाने से महज एक किमी के दायरे में हुई इस चोरी की घटना का खुलासा नहीं कर सकी। वहीं थाना क्षेत्र के सिरसिया के महदेवा में भी हुई भीषण चोरी का पर्दाफाश नहीं हो सका है। यह तो चोरी की चंद बड़ी घटनायें महज उदाहरण भर है,जिसका पुलिस खुलासा नहीं कर सकी। इधर कुछ समय से शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक चोरी की घटनायें बढ़ गयी है। पहले जाड़े के सीजन में चोरी की अधिक घटनायें होती थी। चोर लंबी रात, घने कोहरे व लोगों के गहरी नींद में सोने का फायदा उठाते थे। लेकिन अब चोर किसी भी समय चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर पुलिस को भी चुनौती देने लगे। चौक–चौराहें की आभूषण व अन्य कीमती सामानों की दुकानों में भी चोरी अक्सर घटनाएं होने लगी हैं। चोरी की घटनाओं पर पुलिस न अंकुश लगा पा रही है और न खुलासा कर रही है। इससे आये दिन सेंधमारी और घरों में घुसकर चोरी की घटनाएं हो रही है। चोरी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र के लोग रतजगा करने लगे हैं। वह टोली बनाकर पहरा कर रहे हैं। चोरों का नेटवर्क व मुखबीर इतना मजबूत है कि शहर के किसी मुहल्ले की गली में स्थित मकान में एक दिन के लिए ताला बंद कर गये तो अगले दिन चोरों द्वारा घर खंगाला मिलेगा। सदर कोतवाली क्षेत्र में सूने मकानों में चोरी की कई घटनायें हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस उसका खुलासा नहीं कर सकी है। अगर कुछ माह में चोरी की घटनाओं की समीक्षा हो तो पुलिस अधिकारियों की कार्य शैली पर सवाल उठने लगेगा। तरकुलवा क्षेत्र में चोरों ने लोगों के नाक में दम कर रखा है। चोरी की बढ़ती घटनाओं से लोगों में काफी दहशत है। ताबड़तोड़ चोरी घटनाओं को अंजाम देकर चोर पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। पुलिस भी चोरों के सामने बेबस नजर आ रही है। आए दिन किसी–न–किसी गांव में चोरी की घटनाएं हो रही हैं। सोमवार की रात में पगरा–सकुतुआ के लोग चोरों के डर से रातजगा कर गुजारी। एक सप्ताह पहले बगल के बंजरिया गांव में चोरों ने अशोक कुमार के घर के पीछे बाउंड्री से टुल्लू पम्प चुरा लिया। सोमवार की रात चोर पगरा–सकुतुआ गांव में किसी घर को निशाना बनाने की फिराक में थे। रात में 11 बजे पगरा–सकुतुआ गांव के पूरब–उत्तर ताल में गन्ने के खेत के पास कुछ चोरों के होने की भनक लगी। वहां पर टॉर्च की रोशनी जलती दिखाई दी और आठ–दस लोगों के होने की आहट मिली। इससे गांव के लोगों में हल्ला मच गया और पूरा गांव जग गया। ग्रामीण रात भर चोरों की तलाश करते रहे। 10 दिन पहले बंजरिया गांव के अशोक कुमार के खेत में बने बाउंड्री वाल के भीतर से चोर हैंडपंप चुरा ले गए। 23 अगस्त की रात चोरों ने तरकुलवा कस्बा में चार दुकानों का ताला तोड़कर नकदी और हजारों रुपए का सामान चुरा लिये। चोर नकदी और सोने के गहनों के अलावा स्कूलों के फाटक का ताला तोड़कर बर्तन, राशन, गैस सिलेंडर भी चुरा रहे हैं। कस्बों की दुकानों का ताला तोड़कर सामान और नकदी पर भी हाथ साफ कर रहे हैं। सोमवार की रात चोर सिसवा गांव में जलजीवन मिशन की टंकी से दो अदद 12 वोल्ट की बैटरी, कंचनपुर किसान इंटर कालेज का ताला तोड़कर वर्तन चुरा ले गये। जन्माष्टमी की देर रात थाने के समीप सुरेंद्र कुशवाहा की किराना दुकान का ताला तोड़कर हजारों की समान चुरा ले गये। आए दिन चोरी की घटनाएं होने के बाद भी पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं लग रहा है। थानाध्यक्ष मृत्युंजय राय ने बताया कि चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने को पुलिस रात्रि गश्त कर रही है। चोरी की घटनाओं का शीघ्र ही पर्दाफाश किया जाएगा। संजय कुमार रेड्डी, सीओ सदर ने कहा कि चोरी की घटनाओं के खुलासे को एसओजी लगाई गई है। इसके अलावा पुलिस रात में लगातार गश्त कर रही है। यदि कहीं कोई संदिग्ध दिखता है तो लोग इसकी जानकारी तत्काल पुलिस को दें। किसी को डरने की जरूरत नहीं है। सभी सतर्क रहें यह जरूरी है।

सरयू नहर से बरामद हुआ वृद्ध का शव

संवाददाता–श्रावस्ती। सरयू नहर में एक वृद्ध का शव उतराता देखा गया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पहचान कराई। इसके बाद पंचनामा कर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गिलौला थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव के पास सरयू नहर में बुधवार सुबह किसी वृद्ध का शव उतराया हुआ था। नहर की ओर गए लोगों की नजर शव पर पड़ी तो गांव में सूचना दी। मौके पर काफी लोग एकत्र हो गए और पुलिस को सूचित किया। सूचना पर गिलौला थाने के प्रभारी निरीक्षक महिमानाथ उपाध्याय टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस की ओर से शव की पहचान कराई गई। जिसमें शव की पहचान सोनवा थाना क्षेत्र के ग्राम निवरिया निवासी सीताराम (65) पुत्र रघुवर के रूप में हुई। परिजनों को सूचित कर मौके पर बुलाया गया। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एसएसबी जवानों को सिखाई गई नेपाली भाषा

संवाददाता–श्रावस्ती। सीमावर्ती गांव के लोगों की भाषा समझने के लिए एसएसबी जवानों को नेपाली भाषा सीखने की पहल की गई है। जिसमें कार्यशाला का आयोजन कर जवानों को नेपाली भाषा सिखाई जा रही है। जिससे वह सीमा ड्यूटी के दौरान आने वाले नेपाली नागरिकों से संवाद स्थापित कर सकें। 62वीं वाहिनी एसएसबी मुख्यालय भिनगा के सीमा चौकियों में बुधवार को नेपाली भाषा शिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

यह कार्यशाला जवानों को सीमा क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों से बेहतर संवाद स्थापित करने व उनकी आवश्यकताओं को समझने में मदद करने के उद्देश्य से आयोजित हुआ। कार्यशाला में नेपाली भाषा के विशेषज्ञों ने जवानों को नेपाली भाषा के मूलभूत तत्वों, शब्दावली और संवाद कौशल पर प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नेपाली भाषा की गहन समझ विकसित करने के लिए व्यावहारिक सत्र, संवाद अभ्यास और सांस्कृतिक संदर्भ भी शामिल किए गए। कमांडेन्ट रवीन्द्र कुमार राजेश्वरी ने सभी समवाय व सीमा चौकी प्रभारी को निर्देशित करते हुए कहा कि हमारी प्राथमिकता हमेशा सीमा सुरक्षा और स्थानीय समुदायों के साथ सामंजस्यपूर्ण संबंध बनाए रखना है। नेपाली भाषा सीखने से जवानों को सीमा क्षेत्रों में स्थानीय निवासियों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने में मदद मिलेगी। जिससे उनकी समस्याओं का समाधान शीघ्र और प्रभावी तरीके से किया जा सकेगा। यह पहल एसएसबी की संपूर्ण सीमा चौकियों में सामुदायिक समन्वय और आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

सीएम अभ्युदय कोचिंग का विस्तार कराने की मांग

संवाददाता–बलरामपुर। मुख्यमंत्री अभ्युदय निरूशुल्क कोचिंग योजना के विस्तार करने की मांग भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारियों ने की है। भाजयुमो जिलाध्यक्ष संदीप कुमार वर्मा ने इसके विस्तार करने को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। जिलाध्यक्ष संदीप कुमार वर्मा ने दिए गए पत्र में कहा है कि जिले मुख्यालय स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत निरूशुल्क कोचिंग का संचालन हो रहा है। यह संस्थान छात्रों के लिए एक आकर्षित एवं पसंदीदा कोचिंग के रूप में उभर रहा है। विस्तार के क्रम में एक शाखा उतरौला व एक शाखा गैसड़ी में प्रारंभ किए जाने की मांग की है। इन दो स्थानों पर कोचिंग की शाखा प्रारंभ होने से जो छात्र–छात्राएं दूरी के कारण शिक्षा का समान अवसर पाने से वंचित है उनको भी आसानी से इस सुनहरे अवसर का लाभ प्राप्त हो सके। इससे यूपीएससी, जेईई व नीट की तैयारी करने वाले बच्चों के लिए एक सुनहरा अवसर प्रदान किया जा सकता है। जिससे मुख्यमंत्री अभ्युदय निरूशुल्क योजना से लाभान्वित होकर छात्र–छात्राएं सही दिशा और दशा प्राप्त कर सकें। उन्होंने कोचिंग का विस्तार किए जाने की मांग की है।

अब ड्रोन कैमरे से तेंदुए की होगी तलाश

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा के जंगल से सटे रामनगर व आसपास के गांवों में तेंदुए का इस कदर खौफ हो गया है कि लोग घर से बाहर नहीं निकल रहे हैं। सोमवार की रात धान के खेत में पानी चला रहे किसान को तेंदुए के दौड़ाने के बाद दहशत में आए लोगों को बचाने के लिए वन विभाग अब ड्रोन कैमरे से तेंदुए की तलाश करने जा रहा है।

घने जंगल में जाने की जगह हर रात बाहर गांव के पास पहुंचने वाले तेंदुए को घने जंगल के बीच छोड़ने की योजना है। बीते 25 अगस्त को गोभी के खेत में पानी चला रहे किसान पर हमला कर जख्मी करने वाला तेंदुआ गांव के आसपास ही जंगल किनारे भटक रहा है। रात में जंगल से निकलकर दहाड़ें मार रहा है। सोमवार की रात धान के खेत में पानी चला रहे 45 वर्षीय किसान को दौड़ा लिया और शोर सुनकर लाठी–डंडा लेकर आते लोगों की भीड़ देख जंगल की ओर भाग निकला। सूचना पर वनल विभाग की टीम मौके पर पहुंच कांबिंग तेज कर दी है। 25 अगस्त को किसान विरेन्द्र पर जब तेंदुए ने हमला किया तो हिम्मत दिखाते हुए वह भिड़ गया। लगातार पांच मिनट तेंदुए से भिड़ते हुए किसान शोर मचाता रहा। इस पर लोग जुटे तो तेंदुआ उसे छोड़कर भागा। वहीं सोमवार की रात किसान नंदकिशोर यादव को जब तेंदुए ने दौड़ाया तो वह शोर मचाते हुए भागा। इससे आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े और तेंदुआ जंगल की ओर भागा। ग्रामीण जयराम, राधे, शेषमन, बेचन, रामचंद्र, राधेश्याम, रामहित, संतराम, बलराम, झानमती, जसमति, रुक्मणि, चनाजोता, विजय, अशोक, केशव, राकेश, सुरेन्द्र, शिवनाथ आदि ने बताया कि तेंदुए के खौफ से किसान लाठी डण्डा लेकर समूह में अपने खेतों की तरफ जा रहे हैं। शाम होते ही लोग घरों में दुबक जा रहे हैं। दस दिनों से लोग चौन की सांस नहीं ले पा रहे हैं। राकेश कुमार, डिप्टी रेंजर ने कहा कि सोमवार की रात तेंदुए के निकलने की सूचना पर टीम के साथ मौके पर गया था। तेंदुए की आसपास तलाश की गई, लेकिन वह नजर नहीं आया। वन विभाग की टीम मुस्तैदी से कांबिंग कर रही है। अब ड्रोन कैमरे से तेंदुए की तलाश की जाएगी।

एंबुलेंस में पीछे पति जीवन से जूझ रहा था, आगे बैठी पत्नी से दुष्कर्म की होती रही कोशिश

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एंबुलेंस में पीछे पति जीवन के लिए जूझ रहा था और आगे की सीट पर उसकी पत्नी से निजी एंबुलेंस चालक और उसका साथी चलती गाड़ी में शर्मनाक हरकतें करते रहे। बस्ती में गाड़ी से उतार कर एंबुलेंस चालक और उसके साथी ने महिला से दुष्कर्म की भी कोशिश की। सफल नहीं हुए तो पति का ऑक्सीजन मास्क निकाल कर फेंक दिया और उसे गाड़ी से उतार कर व महिला के पहने गहने और उसके पास रखी नगदी लेकर फरार हो गए। डॉयल 112 की मदद से महिला के पति को बस्ती मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। वहां से गोरखपुर ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया। इस मामले में रविवार को महिला ने लखनऊ के गाजीपुर थाने में तहरीर दी है। बांसी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की महिला ने 28 अगस्त को अपने बीमार पति को लखनऊ के इंदिरा नगर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, लेकिन इलाज के लिए पैसे कम पड़ जाने के कारण अगले दिन महिला ने डॉक्टर से अपनी परेशानी बताते हुए पति को डिस्चार्ज कर देने को कहा। इस पर अस्पताल वाले ने एक प्राइवेट एंबुलेंस का नंबर दिया। उसने उस नंबर पर बात की और बृहस्पतिवार शाम करीब 6.30 बजे एंबुलेंस से पति और 17 साल के भाई के साथ घर के लिए चल दी।

लगभग बीस किलोमीटर चलने के बाद एंबुलेंस चालक ने एक पेट्रोल पंप पर गाड़ी रोकी और महिला से कहा कि रात का मामला है, रास्ते में पुलिस गाड़ी चेक करती है। तुम आगे बैठ जाओ, तो पुलिस गाड़ी नहीं रुकवाएगी। महिला के अनुसार, पहले तो उसने मना कर दिया लेकिन उसके कई बार कहने पर मजबूरी में आगे की सीट पर बैठ गई। ड्राइवर ने उसके भाई को पीछे की सीट पर बैठा दिया। आरोप है कि कुछ दूर जाने के बाद ड्राइवर व उसके साथी ने महिला के साथ छेड़खानी शुरू कर दी। महिला के बार–बार मना करने के बावजूद भी वह नहीं मान रहे थे। इस पर वह शोर मचाने लगी, लेकिन गाड़ी का शीशा बंद होने के कारण उसकी आवाज बाहर तक नहीं गई। हालांकि उसकी चीख सुनकर पीछे की सीट पर बैठे भाई को कुछ गलत होने का अहसास हुआ तो उसने भी शोर मचाना शुरू कर दिया। करीब डेढ़ सौ किमी तक एंबुलेंस चालक और उसके साथी महिला से शर्मनाक करते रहे। रात करीब 11.30 बजे बस्ती जिले के छावनी क्षेत्र में एंबुलेंस चालक ने गाड़ी रोक दी। इसके बाद महिला के भाई को आगे की सीट पर बैठाकर अंदर लॉक कर दिया और महिला से बाहर दुष्कर्म की कोशिश करने लगे। असफल होने पर महिला के पति का ऑक्सीजन मास्क निकाल दिया और उसे गाड़ी से उतार कर जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद महिला से मारपीट करते हुए उसके गहने, नकदी व मोबाइल लेकर और भाई को भी गाड़ी से उतार कर फरार हो गए। इसके बाद महिला के भाई ने डॉयल 112 और 108 पर फोन किया। कुछ ही देर में दोनों पहुंच गए। इसके बाद महिला के पति की हालत गंभीर देखते हुए पहले उसे अस्पताल पहुंचाने का फैसला किया। पति को एंबुलेंस से तत्काल बस्ती जिला अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन वहां हालत में सुधार नहीं होने पर शुक्रवार को गोरखपुर रेफर कर दिया गया। गोरखपुर पहुंचने से पहले ही महिला के पति की सांसों ने उसका साथ छोड़ दिया। महिला ने रविवार को बस्ती के छावनी थाने में तहरीर देने की कोशिश की लेकिन उसका कहना है कि पुलिस वालों ने मामला लखनऊ का होने का जिक्र करते हुए उसे लखनऊ में ही तहरीर देने को कहा। इस पर महिला ने लखनऊ के गाजीपुर थाने में तहरीर दी। गाजीपुर कोतवाली प्रभारी विकास राय का कहना है कि महिला के बताने के अनुसार मामला छावनी कोतवाली का है लेकिन महिला ने हमारी कोतवाली में शिकायती पत्र दिया है। मामले की जांच कराई जाएगी। उसके बाद आगे की कार्रवाई करेंगे।

जमीन पैमाइश के लिए घूस मांगना पड़ा महंगा, 10 हजार घूस लेते लेखपाल गिरफ्तार

संवाददाता–संतककबीरनगर। एंटी करप्शन की दस सदस्यीय टीम ने बुधवार को धनघटा तहसील में तैनात एक लेखपाल को धनघटा–पौली मार्ग से दस हजार रुपया घूस लेते हुए रंगे हाथ दबोच लिया। टीम आरोपी लेखपाल और पीड़ित को लेकर महुली थाने पहुंच गई है। कानूनी शिकंजा कसने के लिए कागजी प्रक्रिया में जुट गई है। पीड़ित धनघटा थाना क्षेत्र के तिलकुपुर गांव निवासी कमला पाल पुत्र भगवान दास पाल ने बताया कि भूमि पैमाइश के लिए वह हल्का लेखपाल इम्तियाज हुसैन से मुलाकात किया। लेकिन, लेखपाल द्वारा उसे कई बार दौड़ाया गया। बाद में लेखपाल ने भूमि पैमाइश के नाम पर उससे बीस हजार रुपया घूस की मांग किया।

अंत में दस हजार रूपये पर अड़ गए। सिस्टम के रवैया से प्रताड़ित होकर वह एंटी करप्शन टीम बस्ती को शिकायत किया। टीम ने भ्रष्टाचारी लेखपाल को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। बुधवार को पीड़ित कमला पाल ने लेखपाल इम्तियाज हुसैन को धनघटा से पौली जाने वाले मार्ग पर करीब पांच सौ मीटर पर बुलाया। पीड़ित ने जैसे ही घूस के नाम पर दस हजार रुपया लेखपाल को थमाया वैसे ही एन्टी करप्शन टीम ने रंगे हाथ दबोच लिया। साक्ष्य के लिए लेखपाल का हाथ धुलवाकर फोटो ग्राफी किया। टीम पकड़े गए लेखपाल और पीड़ित को महुली थाने लेकर पहुंच गई है। टीम के उपनिरीक्षक महेश कुमार दुबे ने बताया कि आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए लेखपाल इम्तियाज हुसैन पुत्र इकबाल हुसैन निवासी पेडार थाना पकौलिया जिला बस्ती का रहने वाला है। वर्ष 2008 में राजस्व विभाग में तैनाती लेखपाल के रूप में हुआ था। उन्होंने बताया कि बस्ती मंडल मुख्यालय पर थाना खुल गया है। इस तरह के पीडित व्यक्ति वहा शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

सेल्फ एस्टीम कार्यक्रम मे कस्तूरबा की बच्चियों ने दिखाई प्रतिभा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय साऊंघाट में सेल्फ एस्टीम एक्शन प्लान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया ।जिसमें विद्यालय के बालिकाओं के द्वारा पपेट शो ,समूह गीत ,नृत्य, नाटक ,इंटरव्यू ,मीना राजू स्वागत गीत बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किया गया ।सेल्फ स्टीम जिला समन्वयक श्रुति त्रिपाठी ने बच्चों को आत्म सम्मान तथा बॉडी सेमिंग के बारे में विभिन्न प्रकार से समझाया तथा बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए बच्चों से बातचीत की। कार्यक्रम में सेल्फ एस्टीम परियोजना के जोनल समन्वयक मोहम्मद नादिर आशीष श्रीवास्तव अंगद पांडेय , सर्वेष्ठ मिश्रा, स्वप्निल श्रीवास्तव जिला समन्वयक प्रशिक्षण, डायट प्रवक्ता वंदना ,डायट प्रवक्ता कल्याण पांडे, डायट प्रवक्ता अमन सेन यादव, डायट प्रवक्ता रविनाथ ,जिला समन्वयक सेल्फ एस्टीम श्रुति त्रिपाठी उपस्थित रही। कक्षा 7 की छात्रा श्रुति ने वन्दना मैडम तथा मोहम्मद नादिर सर का इंटरव्यू लिया। इंटरव्यू से वहां पर उपस्थित लोगो ने सराहा । बच्चों ने आधा फुल कॉमिक पर पपेट शो प्रस्तुत किया जिसकी सराहना वहां पर उपस्थित अतिथियों ने किया। विद्यालय की वार्डन माधुरी त्रिपाठी ने बताया विद्यालय में इस तरह के कार्यक्रम हर साल कराए जाते हैं और बच्चों को प्रोत्साहित किया जाता है ।कार्यक्रम में अध्यापिका गीता पाल ,सीमा रानी ,अभिलाषा शर्मा ,खुशबू उपाध्याय ,वीना पाल ,सुधेंद्र सहाय, चंद्रकांत सर तथा समस्त कर्मी उपस्थित रहे।

सिपाही ने बिजली घर पर किया तांडव पिस्टल से की फायरिंग, गिरफ्तार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। सिपाही ने बिजली घर पर किया तांडव, पिस्टल से की फायरिंग, गिरफ्तार अम्बेडकरनगर, संवाददाता। जाफरगंज बिजली घर के बेलउवा फीडर की बिजली मंगलवार की देर रात्रि में कट जाने के विरोध में पिस्टल के साथ पहुंचे सिपाही ने जमकर तांडव किया। दशहत फैलाने के लिए उसने राउंड फायरिंग की जिससे बिजली घर पर कार्य करने वाले कर्मचारी जान बचाने के लिए भागने को विवश रहे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सिपाही को गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त सरकारी पिस्टल और कारतूस भी बरामद किया है।

मालीपुर थाना क्षेत्र के जाफरगंज बिजली घर से बेलउवा बरियारपुर समेत दर्जनों गांवों की आपूर्ति होती है। बीते मंगलवार की देर रात्रि में तार गिर जाने से कर्मचारी उसे ठीक करने में लगे थे कि इसी बीच बेलउवा बरियारपुर निवासी सिपाही शरद सिंह पुत्र शिवसागर सिंह अपने साथियों के साथ पहुंचे और गाली–गलौज देना शुरू कर दिया। बिजली कर्मचारी जितेन्द्र मिश्रा का आरोप है कि उसने कहा कि बिजली नहीं चलाओगे तो जान से मार दिया जाएगा। जान से मार देने की नियत से उसने ओमप्रकाश पुत्र धनराज निवासी जगदीशपुर थाना बेवाना, गौरव पुत्र चन्द्र प्रकाश निवासी सदरपुर थाना अकबरपुर, प्रवीन पुत्र रामकृष्ण निवासी नसीरपुर कैथी, अंगद पुत्र बाबूलाल निवासी नसीरपुर कैथी, रक्षाराम पुत्र देवीदीन वर्मा निवासी गौरा महमदपुर, कृष्ण कुमार पुत्र गया प्रसाद निवासी अटंगी थाना बेवाना, शैलेन्द्र पांडेय पुत्र राम सिंगार पांडेय निवासी पहाड़पुर कुर्चा, राकेश पुत्र चन्दलाल ग्राम धौरहरा थाना बेवाना के ऊपर जान से मार देने की नियत से दर्जन भर राउंड फायर किया। दर्जन भर राउंड फायर करने पर बिजली घर पर सनसनी फैल गई और कर्मचारी जान बचाकर भागने लगे। बिजली कर्मचारी जितेन्द्र मिश्रा की तहरीर पर पुलिस ने प्राणघातक हमला एवं आर्म्स एक्ट की धारा में मुकदमा पंजीकृत करते हुए आरोपी सिपाही को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सरकारी पिस्टल, 20 जिंदा कारतूस एवं 17 खोखा भी बरामद किया है।

जाफरगंज बिजली घर पर जान से मार देने के उद्देश्य से फायर कर सनसनी फैलाने से खौफजदा कर्मचारियों ने बुधवार को घटना के विरोध में अधीक्षण अभियन्ता आफिस के समक्ष प्रदर्शन कर नारेबाजी की। बिजली घर पर इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी हैं जिसमें बिजली न मिलने पर उपभोक्ता बिजली घर पहुंच कर कर्मचारियों के साथ गाली–गलौज करते हैं। कर्मचारियों ने प्राण रक्षा की गुहार लगाते हुए समुचित सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की। प्रदर्शन करने वालों में जितेन्द्र मिश्रा, कृष्ण यादव, ओमप्रकाश, अजय मिश्र, शैलेन्द्र पांडेय, रक्षाराम, अंगद कुमार, प्रवीण तिवारी, गौरव, राकेश व अन्य मौजूद रहे।

मालीपुर थाना क्षेत्र के बेलउवा बरियारपुर निवासी सिपाही शरद सिंह पुत्र शिवसागर सिंह लखनऊ में आरक्षी के पद पर कार्यरत है और बताया जाता है कि वह अप्रैल माह से विभाग से गैरहाजिर भी चल रहा है। वह अपने आपको स्वाट टीम का सिपाही बताते हुए सरकारी पिस्टल से लोगों को धमकाता भी है। विगत माह में उसने मालीपुर चौराहे पर भी विवाद किया था किन्तु मामला विभागीय होने से मालीपुर पुलिस उसे थाने ले जाकर पूछताछ करने के बाद छोड़ दिया। थानाध्यक्ष मालीपुर ने बताया कि वह किसी अधिवक्ता की सुरक्षा में लगा है और कई दिनों से घर पर आकर रह रहा है।

प्रभाकान्त त्रिपाठी, थानाध्यक्ष मालीपुर ने कहा कि 'आरोपी सिपाही के विरुद्ध प्राण घातक हमले का मुकदमा दर्ज लिया गया है। उसकी तत्काल गिरफ्तारी करते हुए उसके कब्जे से सरकारी पिस्टल, 20 जिंदा कारतूस एवं 17 खोखा बरामद कर उसे जेल भेज दिया गया है।

हर ब्लॉक में बनेगा एक मिनी स्टेडियम

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले के सभी ब्लॉकों में एक–एक स्थान पर मिनी स्टेडियम व पार्क बनेगा। इसके निर्माण कार्य में बेवजह की बाधा नहीं आनी चाहिए। ये बातें डीएम डॉ.राजा गणपति आर ने अफसरों से कहीं। उन्होंने कहा कि जो भूमि चिन्हित हो वहां पर जलभराव की स्थिति न हो। हर ब्लॉक में एक–एक यानी कुल 14 स्थानों पर मिनी स्टेडियम व पार्क का निर्माण कराया जाना है। अगले सप्ताह शुक्रवार को सभी ब्लॉकों में मिनी स्टेडियमध्पार्क के निर्माण कार्य का भूमि पूजन होगा। जिले में एक स्थान पर सांसद को आमंत्रित कर भूमि पूजन कराएं। इसके अलावा अन्य स्थानों पर स्थानीय विधायक व अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर भूमि पूजन कराएं।

अखिलेश यादव ने प्रदेश के 75 जिलों में गोरखपुर ही क्यों चुना? –रवि किशन

संवाददाता–गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा दिए गए बयान पर गोरखपुर के सदर सांसद रवि किशन शुक्ला की प्रतिक्रिया सामने आई है। मीडिया से बात करते हुए सांसद रवि किशन ने कहा कि उन्होंने गोरखपुर की जनता की आस्था पर प्रहार किया है। उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में आखिर क्यों उन्होंने गोरखपुर को चुना? इसका सवाल अखिलेश यादव खुद बताएं क्योंकि उन्हीं से इस सवाल का जवाब चाहिए। कहने का मकसद क्या रहा, यह वही बताएं। कहा, गोरखनाथ मंदिर यहां के लोगों की आस्था का केंद्र है और अखिलेश यादव का ये बयान यहां के लोगों की आस्था पर प्रहार है। उनके कहने का सीधा मतलब यही है। ऐसे में खुद बताएं कि आखिर गोरखपुर का नाम लेकर उन्होंने लेकर क्यों कहा?

विदेश भेजने के नाम पर बेरोजगारों से करता था ठगी, 10 हजार का था इनामी, गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज इलाके के एक ग्राम सभा में ट्रेनिंग एंड ट्रेड टेस्ट सेंटर खोल विदेश भेजने के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले दस के इनामिया बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार, इंद्रानगर वार्ड नंबर 13 देवरिया के निवासी अजय कुमार ने तीन महिला 3 मई को पीपीगंज थाना में प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि पीपीगंज के जंगल कौडिया में निकेतन त्रिपाठी नाम का युवक शीतल ट्रेनिंग एण्ड ट्रेड सेंटर खोलकर लगभग 130 लोगों को विदेश भेजने के नाम पर करीब 20 लाख रुपए की ठगी कर चुके हैं। वह फर्जी वीजा व टिकट देकर धोखाधड़ी कर रुपए सारे रुपए लेकर फरार हो गया है। जिसके बाद पीपीगंज पुलिस ने धारा 419, 420, 467, 468, 471 के तहत केस दर्ज कर आरोपी की खोजबीन में जुट गई थी। जिसके बाद से पीपीगंज पुलिस खोजबीन में जुटी थी। जिसे बुधवार के दिन छपरा थाना खोराबार से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

निर्माण में गुणवत्ता की खामी से इंटरलॉकिंग सड़क की दीवार गिरी

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद में घोरखल वार्ड के गौसपुर में निर्माण गुणवत्ता की खामियों से इंटरलॉकिंग सड़क की बनी दीवार गिर गई। इसका निर्माण 30 लाख रुपए खर्च कर किया गया था। नगर पालिका क्षेत्र के घोरखल वार्ड में गौसपुर जाने वाली मुख्य सड़क से पूर्व माध्यमिक विद्यालय गौसपुर होते हुए बगल के मोहल्ले तक जाने वाले मार्ग का निर्माण अप्रैल माह में हुआ। लंबी लड़ाई, कई वर्षों की मांग और जन प्रतिनिधियों की पैरवी के बाद किसी तरह सड़क स्वीकृत हुई तो स्थानीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। लेकिन ठेकेदार ने जब काम शुरू किया तो कार्य की गुणवत्ता को देख स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। करीब 300 मीटर सड़क की इंटरलॉकिंग के साथ ही नाली का निर्माण होना था। इसके लिए 30 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत हुई थी। लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही का आलम यह रहा कि दोयम दर्जे की ईंट के साथ ही घटिया मसाला का प्रयोग कर निर्माण कार्य किया गया। स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया, लेकिन ठेकेदार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि सड़क बनने के बाद से ही धंसने लगी। बरसात शुरू होने के साथ ही स्थिति और खराब हो गई। तेज बरसात के दौरान कई जगह जहां इंटरलॉकिंग धंस गई वहीं नाली के साथ ही मुख्य दीवार ही ढह गई है। इससे स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। इंटर लॉकिंग सड़क के निर्माण के साथ ही ठेकेदार को चार वर्ष तक उसके रखरखाव की जिम्मेदारी होती है। टेंडर की शर्तों में ही इसे शामिल किया गया है। लेकिन उसके बाद भी कोई डर नहीं है। वार्ड के सभासद ऋषि यादव ने कहा कि इंटरलॉकिंग सड़क के धंस जाने और दिवाल गिरने की शिकायत नपा के जिम्मेदार अधिकारियों से की गई है। इसके अलावा वार्ड में जहां भी काम चल रहे हैं उसकी गुणवत्ता ठीक हो इसका पूरा प्रयास किया जा रहा है। डीएम महेन्द्र सिंह तंवर ने कहा कि सड़क निर्माण के गुणवत्ता की जांच कराई जाएगी। यदि इस तरह की गड़बड़ी की गई है तो जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई के साथ ही पुनरू निर्माण कराया जाएगा। किसी भी कार्य के गुणवत्ता के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

गारमेंट की दुकान में लगी आग से लाखों का नुकसान

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। नगर के शहजादपुर में नई सड़क पर स्थित स्टेटस गारमेंट में एसी के अचानक ब्लास्ट होने से बुधवार को दोपहर में भीषण आग लग गई। आग लगते ही धुएं का गुबार इतना ज्यादा था कि दम घुटने लगा। दुकानदार और कर्मचारी भाग कर अपनी जान बचाने लगे। इतने में आग और फैल गई।।सूचना पर पहुंचे फायर कर्मियों ने लगभग आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दुकान मालिक के अनुसार लाखों रुपए के कपड़े आग से जलकर राख हो गए। प्रतिदिन की तरह बुधवार को भी स्टेटस गारमेंट की दुकान खुली थी। गर्मी के दृष्टिगत एसी चल रही थी। इसी बीच दोपहर में अचानक एसी में ब्लास्ट हुआ और आग लग गई। जब तक दुकान के मालिक कुछ समझ पाते तब तक आग ने तेजी से पूरी दुकान को अपने आगोश में ले लिया। वहां पर मौजूद ग्राहक और अन्य लोग भागने लगे। दुकान में अधिक संख्या में रेडीमेड कपड़े होने के कारण आग तेजी से फैलती जा रही थी। तत्काल फायर को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची फायर पुलिस ने लगभग आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के बाद वहां पर बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई। अकबरपुर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और जल्दी से जल्दी आग पर काबू पाया गया। जिस समय आग लगी उसे समय अगल–बगल की दुकानों को भी अलर्ट कर दिया गया था। जिससे कहीं चिंगारी दूसरी दुकान में ना पहुंच जाए और नुकसान हो जाए। आग लगने से स्टेटस गारमेंट में 20 लाख से अधिक का नुकसान बताया जा रहा है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी जेपी सिंह ने बताया कि आग एसी ब्लास्ट होने से लगी थी। एसी आखिर क्यों ब्लास्ट हुई यह जांच का विषय है। कपड़े अधिक होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। स्टेटस शोरूम काफी पुराना है। बड़ी संख्या में अलग–अलग ब्रांड के कपड़े यहां पर बिक्री के लिए रखे गए थे। जानकारों का कहना है कि जब एसी में ब्लास्ट हुआ तो उसे समय फायर सुरक्षा उपकरण कहां थे ? उसका उपयोग तत्काल क्यों नहीं किया गया। फायर एक्सटिंग्विशर होने पर तत्काल यदि इसका प्रयोग किया जाए तो आग पर काबू पाया जा सकता है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी जेपी सिंह ने बताया कि फायर सुरक्षा उपकरण चाहे दुकान बड़ी हो या छोटी सब में होना आवश्यक है। क्योंकि इससे तत्काल आग पर काबू पाया जा सकता है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती
मु0नं0– 33/2017
मुतफरिका नम्बर 158/2013
शत्रुघन
बनाम
चन्द्रिका प्रसाद

1. फुलपाती पत्नी स्व0 चन्द्रिका प्रसाद 2. सन्दीप कुमार पुत्र स्व0 चन्द्रिका प्रसाद 3. सोनू 4. राजन पुत्रगण रामलखन 5. वृजमोहन पुत्र कामता 6. ध्रुवचन्द 7. लाल चन्द्र पुत्रगण सीताराम 8. जयराम पुत्र रामदेव साकिनान मौजा हाथा बुजुर्ग तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–09–2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 30 माह 09 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 20/93
पालहन
बनाम
अलगू

1/1 राममिलन उम्र 50 साल 1/2 रामकिशुन उम्र 45 साल पुत्रगण अलगू साकिनान वुढौवा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 1/3 हीरालाल उम्र 40 साल पुत्र सुखराम साकिन वुढौवा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 12–09–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 12 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 686/03
रामदया आदि
बनाम
इन्द्रराज

1/1 रामजियावन 1/2 गिरीशचन्द्र पुत्रगण स्व0 इन्द्राज निवासीगण ग्राम तामा तप्पा दक्खिन हवेली परगना मगहरपूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 04–10–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 04 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 519/1988
पारसनाथ
बनाम
रामजी

4/1 विरेन्द्र उम्र 50 साल पुत्र मुनक्का देवी 4/2 कुसुम उम्र 45 वर्ष 4/3 पूना उम्र 40 साल पुत्रीगण मुनक्का देवी साकिन मौजा प्रजापतिपुर तप्पा तरयापार परगना महुली पूरव तहसील खलीलाबाद डा0–मुखलिसपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 11–09–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 11 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com